शर्मা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 167 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 17 जनवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सड़क निर्माण में खामियों को गैर जमानतीय अपराध बनाया जाए — पेज 2
तीन दिवसीय गुवाहाटी एशियन फिल्म फेस्टिवल सात फरवरी से होगा शुरू — पेज 3
शंभू बार्डर से 21 जनवरी को दिल्ली कूच करेंगे किसान — पेज 5
पीठ की चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हुए दक्षिण अफ्रीका के तेज... — पेज 7

राज्य सरकार ने 220 अवैध रैट होल को तत्काल बंद करने का आदेश दिया

खदान हादसे की जांच करेगी एसआईटी

पीड़ितों को 10 लाख रुपए अनुग्रह राशि देने की घोषणा

गुवाहाटी। असम सरकार ने डिमा हसाऊ जिले के उमरांग्सू क्षेत्र में 220 रैट-होल कोयला खदानों का पता लगाया, जबकि क्षेत्र में बाढ़ग्रस्त कोयला खदान में अभी भी 11 करोड़ लीटर पानी है, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को कहा। मोरीगांव में अपने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए शर्मा ने कहा कि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, कोल इंडिया लिमिटेड, ऑयल इंडिया लिमिटेड, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और भारतीय नौसेना के प्रारंभिक आकलन के अनुसार, खदान में 14 करोड़ लीटर पानी है। शर्मा ने कहा कि खदान में अभी भी 11 करोड़ लीटर पानी है। जमीन पर काम कर रहे अधिकारियों ने मुझे बताया कि मौजूदा गति से पानी निकालने में 25 से 60 दिन लगेंगे। कैबिनेट ने सेना के इंजीनियरों की मौजूदगी में लगातार पानी निकालने को मंजूरी दे दी है, जब तक कि हम तार्किक निष्कर्ष पर नहीं पहुंच जाते। उन्होंने कहा कि जांच के बाद हमने पाया कि इस क्षेत्र में 220 खदानें हैं। सैटेलाइट इमेजरी के आधार पर हम उनकी उत्पत्ति का पता लगाने की कोशिश करेंगे। खान एवं खनिज विभाग केंद्रीय एजेंसियों के परामर्श से सभी मौजूदा रैटहोल खदानों को बंद करने के लिए कदम उठाएंगे। शर्मा ने आगे कहा कि कोयला खदान त्रासदी की जांच करने और जिम्मेदार अधिकारियों, व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ जिम्मेदारी तय करने के लिए गौहाटी उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अनिमा हजारिका की अध्यक्षता में एक न्यायिक जांच आयोग गठित किया जाएगा। -शेष पृष्ठ दो पर

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने संगम में लगाई डुबकी, बोले-

महाकुंभ दे रहा दुनिया को एकता का संदेश

महाकुंभ नगर (हि.स.)। महाकुंभ में दस देशों के 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को संगम क्षेत्र स्थित विभिन्न अखाड़ों का दौरा किया। इस भ्रमण के दौरान उन्होंने न केवल महाकुंभ के धार्मिक महत्व को समझा बल्कि भारतीय संस्कृति के अद्भुत पहलुओं का भी अनुभव किया। त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने के बाद प्रतिनिधि दल ने समूचे महाकुंभ क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने इस विशाल धार्मिक आयोजन की व्यापकता को साक्षात देखा और बोले कि यह दुनिया को एकता का संदेश दे रहा है। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने दुनिया के इस सबसे बड़े आयोजन -शेष पृष्ठ दो पर

कट्टर मुस्लिम देशों में भी दिखा भारी उत्साह

दुबई। प्रयागराज महाकुंभ 2025 न केवल भारत में, बल्कि पूरी दुनिया में विशेष आकर्षण का केंद्र बन गया है। खास बात यह है कि इस बार पाकिस्तान, कतर, यूएई और बहरीन जैसे इस्लामी बहुल देशों में भी महाकुंभ को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है। गूगल ट्रेंड्स -शेष पृष्ठ दो पर

लोस सांसद दिलीप सैकिया होंगे अगले प्रदेश अध्यक्ष

गुवाहाटी। असम में विधानसभा चुनाव होने में अब सिर्फ एक साल का समय बचा है और ऐसे में लोकसभा सांसद दिलीप सैकिया भाजपा के अगले प्रदेश अध्यक्ष बनने की ओर अग्रसर हैं। सैकिया ने गुरुवार शाम को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, पर्यवेक्षकों केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, संबित पात्रा, सुनील बंसल और हरीश द्विवेदी की मौजूदगी में अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान राज्य के कई नेता भी मौजूद थे। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता दीवान ध्रुब ज्योति मराल के अनुसार, सैकिया इस पद के लिए नामांकन प्रस्तुत करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। मराल ने इस अखबार को बताया कि वह सर्वसम्मति से चुने गए थे। -शेष पृष्ठ दो पर

असम कैबिनेट ने मोरीगांव जिले के लिए 292 करोड़ रुपए के पैकेज को दी मंजूरी

मोरीगांव (हि.स.)। असम कैबिनेट ने मोरीगांव जिले के विकास के लिए 292 करोड़ रुपए का पैकेज मंजूर किया है। इसके साथ ही एक हजार बीघा में फैले एक और इंडस्ट्रियल एस्टेट की स्थापना की योजना बनाने, जिले के सभी सौ वर्ष पुराने स्कूलों को विशेष अनुदान देने का भी निर्णय लिया है। कैबिनेट ने जोनबिल में 5 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक प्रेक्षागृह का निर्माण कराने को भी मंजूरी दी है। गुरुवार को राजधानी के बाहर मोरीगांव जिले में मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में प्रदेश कैबिनेट की बैठक हुई। इस कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण लिए गए। कैबिनेट ने मोरीगांव जिले के विकास के लिए 292 करोड़ रुपए का -शेष पृष्ठ दो पर

door graph — Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जो अपने कर्म को नहीं पहचानता, वह अंधा है।

- आचार्य चाणक्य

बीजापुर में मुठभेड़, सुरक्षाबलों ने 12 नक्सलियों किया ढेर

बीजापुर (छत्तीसगढ़)। बीजापुर जिले के उसूर ब्लॉक के पुजारी कांकेर व मारुड़बाका के जंगल में गुरुवार को सुरक्षाकर्मियों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। सूत्रों के मुताबिक, मुठभेड़ में सुरक्षाबल के जवानों ने 12 नक्सलियों को मार गिराया है। बीजापुर और तेलंगाना की सीमा पर तीन जिलों के नक्सलियों के खिलाफ जवान बड़ा ऑपरेशन चला रहे हैं। गुरुवार को सुरक्षाकर्मियों की एक संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। दक्षिण बीजापुर के जंगल में सुबह करीब नौ बजे गोलीबारी शुरू हो गई। अधिकारी ने कहा कि रुक-रुककर गोलीबारी अभी भी जारी है। -शेष पृष्ठ दो पर

जनरल विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त) ने मिजोरम के राज्यपाल पद की शपथ ली

एजल (हि.स.)। पूर्व सेना प्रमुख जनरल वीके सिंह (सेवानिवृत्त) ने मिजोरम के 25वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। गुरुवार को गुवाहाटी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विजय विश्नोई ने राजभवन के सर्कुलर लॉन में उन्हें पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री लालदुहोमा, उनके कैबिनेट सहयोगी, विधानसभा अध्यक्ष लालबि-आकजामा, उपाध्यक्ष लालफमकीमा और प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। मिजोरम के -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

खुशखबरी : अगले साल से लागू होगा 8वां पे कमीशन

नई दिल्ली। केंद्रीय कर्मचारियों को सरकार का तोहफा, अगले साल से लागू होगा 8वां पे कमीशन केंद्रीय कैबिनेट ने सरकारी कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने आठवां पे कमीशन लागू करने का एलान कर दिया है। यह 2026 से लागू होगा। अभी तक कर्मचारियों को सातवें पे कमीशन के तहत वेतन मिलता था। -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम पद के बाद अब राजनीति से भी संन्यास लेंगे टूडो

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी का डंका देश में तो पिछले एक दशक से लगातार बज ही रहा है। उनके सामने कोई भी विरोधी टिक नहीं पाता है। लेकिन नरेंद्र मोदी का डंका दुनियाभर की चौपालों पर भी बजने लगा है। देश ही नहीं विदेश में भी मोदी से पंगा लेकर राजनेता अपनी साख और साहस दोनों गंवाते नजर आ रहे हैं। 6 जनवरी का दिन कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो मीडिया के सामने आए और अपने इस्तीफे का एलान -शेष पृष्ठ दो पर

अदानी ग्रुप को झटका देने वाली हिंडनबर्ग होगा बंद, नाथन एंडरसन ने लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली। हिंडनबर्ग रिसर्च, एक ऐसी कंपनी जिसने वैश्विक बाजार में तहलका मचाया और दिग्गज कंपनियों के साम्राज्यों को हिलाकर रख दिया, अब अपने सफर के अंतिम पड़ाव पर है। कंपनी के फाउंडर नाथन एंडरसन ने हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर यह घोषणा की कि वह हिंडनबर्ग रिसर्च को बंद कर रहे हैं। इस फैसले ने न केवल वित्तीय जगत को चौंकाया, बल्कि इस कंपनी के प्रभाव और उसके सफर को लेकर भी चर्चा शुरू कर दी। नाथन एंडरसन ने अपनी पोस्ट में कहा कि यह निर्णय उनके लिए व्यक्तिगत है और इसके पीछे कोई बड़ा विवाद, खतरा, या स्वास्थ्य समस्या नहीं है। उन्होंने बताया कि हिंडनबर्ग रिसर्च को बंद करने का यह फैसला उनके जीवन के एक अध्याय को समेटने जैसा है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि वह पिछले साल के अंत से ही इस पर विचार कर रहे थे और अब नियामकों के साथ अपने आखिरी मामलों को -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश के संविधान में बदलाव के लिए आयोग ने भेजा प्रस्ताव

ढाका। बांग्लादेश में संविधान सुधार आयोग की ओर से कई सिद्धांतों को बदलने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। इस प्रस्ताव के मुताबिक, धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद और राष्ट्रवाद के राज्य सिद्धांतों को बदलने की बात कही गई है। देश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस को संविधान सुधार आयोग की तरफ से अपनी रिपोर्ट सौंपी गई। छात्रों के नेतृत्व में हुए बांग्लादेश में राष्ट्रव्यापी आंदोलन के कारण शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद अंतरिम सरकार की ओर से गठित आयोग ने देश के लिए दो सदन वाली संसद और प्रधानमंत्री के कार्यकाल को दो अवधि तक सीमित करने के प्रस्ताव को शामिल किया था। बांग्लादेश के संविधान में ये तीन सिद्धांत देश के संविधान में -शेष पृष्ठ दो पर

अभिनेता सैफ अली खान पर चाकू से हमला अस्पताल में भर्ती

मुंबई (हि.स.)। फिल्म अभिनेता सैफ अली खान बांद्रा स्थित अपने घर पर घुसे अज्ञात व्यक्ति के चाकू के हमले में घायल हो गए हैं। उन्हें लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। मुंबई पुलिस ने कहा है कि अभिनेता के घर पर घुसे व्यक्ति की पहले उनकी नौकरानी से बहस हुई। इस बीच सैफ पहुंचे और उन्होंने उस व्यक्ति से कारण पूछा तो उसने उनपर चाकू से हमला कर दिया। लीलावती अस्पताल के सीओओ डॉ. नीरज उत्तभानी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

अज्ञात शव

गुवाहाटी। महानगर के जीएमसीएच में एक अज्ञात व्यक्ति को बीमारी की हालत में 7 जनवरी को भर्ती किया गया था। 30 वर्षीय उस व्यक्ति की सोमवार सुबह 4.25 मिनट पर इलाज के दौरान जीएमसीएच में मौत हो गई। इसकी सूचना भांगागढ़ थाने को दे दी गई है। अब तक किसी ने इसकी पहचान नहीं की है। मृत व्यक्ति को जीएमसीएच के मुर्दाघर में पहचान के लिए रखा गया है।

रोड की निराशाजनक हालत पर बिफरे गडकरी, कहा–

सड़क निर्माण में खामियों को गैर जमानतीय अपराध बनाया जाए

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि अगर सड़क निर्माण में कोई खामी होती है, तो इसे गैर-जमानतीय अपराध बनाया जाना चाहिए। साथ ही सड़क ठेकेदारों तथा इंजीनियरों को दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए और उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए। उद्योग मंडल सीआईआई द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दुनिया में सड़क दुर्घटनाओं के मामले में भारत नंबर एक पर है। महज 2023 में पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं हुई थीं। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में खामी पाया जाना गैर जमानतीय अपराध होना चाहिए। इसके साथ ही ठेकेदारों और इंजीनियरों को हादसों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए और उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए। 2023 में पांच लाख हादसे हुए, जिनमें 1,72,000 लोगों की जान गई। इसमें से 66.4 फीसदी यानी 1,14,000 मरने वाले लोगों की उम्र महज 18 से 45 थी। वहीं, 10 हजार बच्चों की मौत हुई थीं। उन्होंने आगे कहा कि मंत्रालय का उद्देश्य 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को आधा करना है। उन्होंने यह भी कहा कि 55,000 मौतें हेलमेट न पहनने के कारण और 30,000 मौतें सीट बेल्ट न पहनने के कारण हुईं। साथ ही, उन्होंने कहा कि मंत्रालय सड़कों पर ब्लैक स्पॉट (खतरनाक स्थान) को सुधारने के लिए 40,000 करोड़ रुपए खर्च कर रहा है।

केरल में भाजपा-आरएसएस के आठ कार्यकर्ताओं को आजीवन कारावास

तिरुअनंतपुरम। केरल की एक अदालत ने बुधवार को आठ भाजपा-आरएसएस कार्यकर्ताओं को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इन कार्यकर्ताओं को मई 2013 में आलमकोड के निकट एक माकपा नेता की पिटाई और चाकू घोंपकर हत्या करने के मामले में दोषी ठहराया गया था। तिरुअनंतपुरम के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ आज सुदर्शन ने शंभु कुमार उर्फ शंभु, श्रीजीत उर्फ उन्नी, हरिकुमार, चंद्रमोहन उर्फ अंबिली और संतोष उर्फ चंदू को आईपीसी की धारा 302 (हत्या) और 120 बी (आपराधिक साजिश) के तहत अपराध के लिए दोहरे आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने कहा कि ये सजाएं एक साथ चलेंगी और प्रत्येक पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। अदालत ने तीन अन्य दोषियों अभिषेक उर्फ अन्नी संतोष, प्रशांत उर्फ पड्डिनजी प्रशांत और सजीव को भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी (आपराधिक साजिश) के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने तीनों पर 50,000 रुपए का जुर्माना लगाया।

जोनबिल मेला शुरू, मुख्यमंत्री ने लिया हिस्सा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सलाइन स्कैम मामले में डॉक्टरों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है। गुरुवार को उन्होंने राज्य सचिवालय नबान्न से कहा कि अगर डॉक्टरों ने अपना कर्तव्य ठीक से निभाया होता तो मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज में गर्भवती महिला और नवजात को बचाया जा सकता था। उन्होंने इस घटना में 12 डॉक्टरों को निलंबित करने का आदेश दिया। इनमें मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज के आरएमओ और एमएसवीपी भी शामिल हैं। मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज में प्रसव के बाद पांच गर्भवती महिलाएं बीमार हो गईं थी। कथित तौर पर, वे सलाइन चढ़ाने के बाद बीमार हो गई थी। बाद में एक गर्भवती महिला की मृत्यु हो गई। मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज में बीमार पड़ी एक गर्भवती महिला के बच्चे की भी मौत हो गई थी। गुरुवार को मुख्यमंत्री ने इस घटना के लिए डॉक्टरों पर उंगली उठाई। उन्होंने सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा सेवाओं के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि चिकित्सा सेवाओं में सुधार के बावजूद मां और बच्चे को बचाया नहीं जा सका, क्योंकि डॉक्टरों ने अपना कर्तव्य नहीं निभाया। ममता बनर्जी ने कहा कि यदि वे लोग जो लोगों के भाग्य का निर्धारण करते हैं, जिनके हाथों में बच्चे जन्म लेते हैं, अपनी जिम्मेदारियों को ठीक से निभाते, तो मां और बच्चे को बचाया जा सकता था। ममता बनर्जी ने कहा कि अगर इमारत के अंदर सीसीटीवी कैमरा होता तो आरोपी को रंगे हाथों पकड़ा जा सकता था। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन थियेटर के अंदर भी सीसीटीवी कैमरे होने चाहिए। मुख्य सचिव मनोज पंत ने कहा कि सीसीटीवी कैमरे गलियारों में हैं।

सीएम बीरेन सिंह ने राज्य में शांति बहाली के लिए लोगों से मांगी मदद

मणिपुर। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने राज्य के लोगों से शांति बहाल करने के लिए उनकी सरकार की मदद करने की अपील की। उन्होंने बताया कि सभी मुद्दों पर राजनीतिक और कूटनीतिक रूप से चर्चा की जा सकती है। संघर्ष से मुद्दों को सुलझाने में मदद नहीं मिलेगी। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी सरकार की तरफ से भी कुछ गलतियां हुई है। वे उन पर काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री एन.बीरेन सिंह ने कहा कि गलतियां तो हमारी भी होगी। हम इस पर दूसरों से सलाह लेकर काम कर रहे हैं। राज्य में जो कुछ भी हो रहा है, वह ठीक नहीं है। हालांकि, कई लोगों के प्रयास से स्थिति सामान्य हो गई है। बता दें कि मार्च 2023 से मणिपुर में जारी हिंसा में 250 लोगों की मौत हो गई थी और हजारों लोग बेघर हो गए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आशा करते हैं कि स्थिति पूरी तरह से सामान्य हो जाए। आइए इसके लिए भगवान से प्रार्थना करें। पहाड़ों और घाटी के बीच विभाजन के बिना शांति बहाल करने का प्रयास करते हैं। हम सभी मणिपुरी हैं। हम सभी भारतीय हैं। उन्होंने आगे कहा कि सभी मुख्य मुद्दों पर राजनीतिक और कूटनीतिक तरीकों से चर्चा की जा सकती है। समाधान ढूंढना होगा। संघर्ष से कुछ भी अच्छा नहीं होता है। पश्चिमी इंफाल जिले के कांगचुप फेयेंग में मंगलवार रात को बम हमलों पर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए सीएम बीरेन सिंह ने कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। पिछले पांच और छह महीने में एक भी हिंसा नहीं हुई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हम यह पता लगा लेंगे कि हमले के पीछे किसका हाथ था।

युद्धविराम के बाद भी इजरायली हमलों में 72 की हुई मौत

गाजा सीटी। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि युद्धविराम घोषित होने के बाद से इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 72 लोग मारे गए हैं। इन हमलों ने क्षेत्र में संघर्ष विराम की नाजुकता पर चिंताएं बढ़ा दी हैं। संघर्ष विराम के बाद नए सिरे से हिंसा हुई है, जिससे इसकी प्रभावशीलता और क्षेत्र में शांति प्रयासों के भविष्य पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय अधिकारियों ने मामले को आगे बढ़ने से रोकने के लिए तत्काल अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेप का आह्वान किया है। हालिया हमले ऐसे समय में हुए हैं जब इजराइल और हमास पिछले 15 महीने से जारी युद्ध को समाप्त करने और बंधकों को रिहा करने के लिए संघर्ष विराम समझौते पर सहमत होने के करीब हैं।

No.GDB-242/15th FC/Tied/2022-23/110   *Dated Gossaigaon, the 13th Jan./2025*

NOTICE INVITING TENDER

Sealed Tender are invited in F-2 Form for the works shown below from the intending Registered Contractor of Class-I and Class-II (A, B & C) category of Assam PWD (Roads & Building) & PHE with affixing Non-refundable court fee of Rs.8.25 (Rupees Eight and paise twenty five) only in a prescribed Form under Award of **15th Finance Commission Tied Grant** (Grand No. 66) for the year 2023-24 during 2024-25. The Tender will be received on **04-02-2025** upto 1:00 PM in the Office of the undersigned and will be opened on same day at 1:30 PM in the Office of the undersigned and C.S. will be submitted to the Director, P&RD, BTC, Kokrajhar for approval.

Sl. No.	Name of work	Estimated amount	Bid Security	Cost of BID documents (D/D) @ 0.03% (Approx.)	Time of completion
1	Const. of Community Toilet at Bhumka Brahma Mandir	Rs. 11,00,000/-	Rs. 11,000/- @ 1% for ST/SC/OBC & Rs. 22,000/- @ 2% for General	Rs.330/-	6 (six) Months from the date of issue of work order

The Terms and Condition details may be seen at Notice Board in the Office of the Block Development Officer, Gossaigaon Development Block from **13-01-2025 to 04-02-2025** upto 1:00 PM.

Sd/-
Block Development Officer,
Gossaigaon Dev. Block, Gossaigaon

IPR(BTC)/C/2024-25/1310

पृष्ठ एक का शेष

खदान हादसे की...

समिति तीन महीने के भीतर सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। उधर कोयला खदान को अवैध रूप से संचालित करने वाले पुनीश नुनिसा को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। शर्मा ने कहा कि राज्य में रैट-होल खनन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि पहले से दर्ज एफआईआर के आधार पर पूरी घटना की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एसआईटी की निगरानी न्यायिक जांच पैनल द्वारा की जाएगी। शर्मा ने कहा कि अब तक चार खनिकों के शव बरामद कर लिए गए हैं तथा पांच अन्य के बारे में यही माना जा रहा है कि वे भी नहीं बचे होंगे। उन्होंने कहा कि घटना के 10 दिन बाद पांचों के जीवित होने की संभावना बहुत कम है। राज्य सरकार ने घोषणा की है कि चार मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। शर्मा ने कहा कि अन्य पांच लोगों के परिजनों को भी 10 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा, चाहे वे जीवित हों या मृत। मालूम हो कि उमरांग्सू में 6 जनवरी को एक कोयला खदान में अचानक पानी भर जाने से नौ खनिक फंस गए थे, जिसमें से अब तक चार शवों को निकाला जा चुका है। पांच लापता खनिकों के लिए खोज और बचाव अभियान जारी है। बचाव दल का कहना है कि खदान से पानी निकालने में 30 से 60 दिन तक लग सकते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीम 15 पंपों का उपयोग करके प्रति घंटे 7.9 लाख लीटर पानी निकालने के लिए काम कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि 48 घंटों तक लगातार पानी निकालने के बाद भी जल स्तर में केवल एक फुट की गिरावट आई है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि खदान कहीं न कहीं कोपिली नदी से जुड़ी हुई है, जिससे खदान में लगातार पानी भर रहा है। इसके अतिरिक्त, राज्य ने सभी 220 रैट-होल खदानों को तत्काल बंद करने का आदेश दिया है।

महाकुंभ दे रहा ...

के भव्य इंतजाम के लिए योगी सरकार की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि महाकुंभ दुनिया को एकता का संदेश दे रहा है। भारतीय संस्कृति को देखने और समझने के लिए सभी देशों के लोगों को यहां महाकुंभ नगर जरूर आना चाहिए। संयुक्त अरब अमीरात की प्रतिनिधि बोलीं, एकता का प्रतीक है महाकुंभ-संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की प्रतिनिधि सैली एल. अजाब ने कहा कि वो मध्य पूर्व से भारत आई हैं। यह एक अद्भुत क्षण है। यह दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है। यहां सब कुछ पूरी तरह से व्यवस्थित है। उन्होंने महाकुंभ की भव्यता की तारीफ करते हुए बताया कि यह आयोजन न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया को एकता का संदेश दे रहा है। उन्हें यहां करोड़ों श्रद्धालुओं और उनकी विधिवत सुरक्षा व्यवस्था को देखकर भारतीय संस्कृति की महानता का अहसास हुआ है। संतों के विचारों से प्रभावित हुए अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि, भारतीय परम्पराओं के प्रति श्रद्धा व्यक्त की-अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि दल ने महाकुंभ भ्रमण के दौरान विभिन्न अखाड़ों का भ्रमण किया। यहां उन्होंने साधु-संतों से मुलाकात की और महाकुंभ के ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के बारे में जाना। साधु-संतों ने महाकुंभ की प्राचीन परंपराओं, अखाड़ों की भूमिका और भारतीय संस्कृति की महिमा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि संतों के विचारों से गहरे प्रभावित हुए और उन्होंने भारतीय धार्मिक परंपराओं के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। महाकुंभ ने सिखाया कि दुनिया भर के लोग इकट्ठे हो सकते हैं- महाकुंभ का आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भ में भी एकता का प्रतीक है। महाकुंभ के दौरान 10 देशों के 21 प्रतिनिधियों ने इस आयोजन की भव्यता और उसकी वैश्विक पहचान को नजदीक से महसूस किया। महाकुंभ ने दुनिया को यह संदेश दिया कि दुनिया के विभिन्न कोनों से लोग एकत्रित हो सकते हैं, भले ही उनकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अलग-अलग क्यों न हो। फिजी, गुयाना से लेकर दक्षिण अफ्रीका तक के पहुंचे प्रतिनिधि- महाकुंभ में फिजी, फिनलैंड, गुयाना, मलेशिया, मॉरीशस, सिंगापुर, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, त्रिनिदाद और टोबैगो, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के प्रतिनिधि पहुंचे हैं। इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि दल ने महाकुंभ का दौरा करके भारतीय संस्कृति की विविधता और धार्मिक एकता का अनुभव किया।

कट्टर मुस्लिम देशों ...

के मुताबिक, इन देशों में महाकुंभ से जुड़ी जानकारी खोजने वालों की संख्या में बड़ा उछाल आया है। महाकुंभ 2025 के दौरान प्रयागराज में 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को सात स्तरीय बनाया गया है। इसके अलावा, इस भव्य आयोजन की डिजिटल पहुंच और लाइव स्ट्रीमिंग ने इसे दुनियाभर के लोगों के लिए सुलभ बना दिया है। महाकुंभ का पवित्र डुबकी लगाने का विचार, तीर्थयात्रा और आत्मा की शुद्धिकरण जैसी परंपराएं मक्का की हज यात्रा की भावना से मेल खाती हैं। इस सांस्कृतिक समानता ने इस्लामिक देशों के लोगों को महाकुंभ की ओर आकर्षित किया है। महाकुंभ 2025 की आधिकारिक वेबसाइट और सोशल मीडिया पर लाइव स्ट्रीमिंग ने आयोजन को वैश्विक दर्शकों तक पहुंचाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 183 देशों और 6,206 शहरों से अब तक 3.3 मिलियन विजिटर्स महाकुंभ से जुड़ी जानकारी ले चुके हैं। महाकुंभ भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म के मूल्यों का प्रतीक है, जो मानवता, एकता और शांति को बढ़ावा देता है। इसका यही संदेश हर धर्म और संस्कृति के लोगों को आकर्षित कर रहा है। गूगल ट्रेंड्स के अनुसार, पाकिस्तान में महाकुंभ से जुड़ी ऑनलाइन खोजों में तेजी आई है। वहां के लोग महाकुंभ के पैमाने, परंपराओं और आध्यात्मिक महत्व को लेकर उत्सुक हैं। यूएई, कतर और बहरीन जैसे इन इस्लामी देशों में महाकुंभ की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। लोग आयोजन के वीडियो और अपडेट्स का नियमित रूप से आनंद ले रहे हैं। महाकुंभ अब केवल एक हिंदू धार्मिक आयोजन नहीं रहा, बल्कि यह एक वैश्विक आध्यात्मिक मंच बन चुका है। यह भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक है, जो हर धर्म और देश के लोगों को आपस में जोड़ता है। पाकिस्तान की 24 करोड़ से अधिक की आबादी में 38 लाख हिंदू हैं, जिनमें से अधिकतर सिंध प्रांत के थारपारकर, उमरकोट और मीरपुरखास जिलों में रहते हैं। संयुक्त अरब अमीरात में हिंदू आबादी 6.6 प्रतिशत से 15 प्रतिशत के बीच है, जो मुख्य रूप से भारतीय और नेपाली प्रवासियों से बनी है।

लोस सांसद दिलीप ...

अगले असम भाजपा प्रमुख के नाम की औपचारिक घोषणा शुक्रवार सुबह 11 बजे की जाएगी। इससे पहले दिन में मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि भाजपा के अगले प्रदेश अध्यक्ष विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने निवर्तमान अध्यक्ष भाबेश कलिता के योगदान की भी सराहना की। @BJPyAssam अध्यक्ष के रूप में श्री @Bhabesh_KalitaR के उत्कृष्ट योगदान को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उनके राष्ट्रपति पद के दौरान, हमारी पार्टी को असम में संसदीय चुनाव में अब तक की सबसे अधिक सीटें मिलीं, क्योंकि एनडीए ने विधानसभा में अपनी उपस्थिति 74 सीटों से बढ़ाकर 84 सीटें कर लीं और कई उपचुनावों में जीत हासिल की। हमने 2024 सदस्यता अभियान में 60 लाख नए सदस्य बनाने के अपने लक्ष्य को पार कर लिया - यह एक और ऐतिहासिक मील का पत्थर है। वह एक समर्पित कार्यकर्ता हैं और मैं पिछले साढ़े तीन वर्षों में संगठन का सफलतापूर्वक नेतृत्व करने के लिए उनकी सराहना करता हूं, मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया। पूर्व मंत्री कलिता ने स्वीकार किया कि उनका कार्यकाल बढ़ा दिया गया है और उन्होंने अपने उत्तराधिकारी के रूप में सैकिया की नियुक्ति पर संतोष व्यक्त किया। कलिता ने दिन में मीडिया से कहा कि मैं एक्सटेंशन पर था। मुझे बेहद खुशी है कि हमारे एक सांसद ने कार्यभार संभाला है। उन्हें हमारे संगठन के बारे में बहुत अनुभव है। उन्होंने सीधे तौर पर सैकिया का नाम लिए बिना यह बात कही। 51 वर्षीय सैकिया दरांग-उदलगुरी सीट से दो बार सांसद रह चुके हैं। छात्र राजनीति में उनकी गहरी पैठ है, उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है। वे पहले भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव भी रह चुके हैं। सैकिया की नियुक्ति की औपचारिक घोषणा शुक्रवार सुबह होने की उम्मीद है।

असम कैबिनेट ने...

पैकेजऔर जोनबिल में 5 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक प्रेक्षागृह का निर्माण कराने को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही कैबिनेट ने एक हजार बीघा में एक और इंडस्ट्रियल एस्टेट की स्थापना की योजना बनाने, जिले के सभी सौ वर्ष पुराने स्कूलों को विशेष अनुदान देने का भी निर्णय लिया है। साथ ही बालिमुख-शिलडूबी सड़क निर्माण के लिए 70 करोड़ रुपए और क्षीरोद बरुवा स्टेडियम के विकास के लिए पांच करोड़ रुपए, जालुगुटी में 5 करोड़ रुपए की लागत से प्रेक्षागृह का निर्माण तथा कपाहेरा में स्टेडियम बनाने को मंजूरी दी गई। असम सरकार ने जिले के मोरीगांव, भूरागांव, मोइराबारी, चराईबाही, जागीरोड, मयांग और धनकांतो बरुवा कॉलेजों को 5-5 करोड़ रुपए देने, मिकिरभेटा में एक करोड़ रुपए की लागत से गेस्ट हाउस बनाने, गेस्ट हाउस भवन के विकास के लिए 15 करोड़ रुपए मंजूरी दी है। इसके अलावा शहर में 55 करोड़ रुपए खर्च सीवरेज बनाने के निर्णय लिए गए। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में गठित सरकार ने राजधानी के बाहर जिला स्तर पर कैबिनेट की बैठकें आयोजित करने की परंपरा शुरू की है। अभी तक दिल्ली और अन्य जिलों में कुल 17 कैबिनेट की बैठकें आयोजित होचुकी हैं। वर्ष 2021 से लेकर आज से पूर्व कुल 145 कैबिनेट की बैठकें हुईं, जिसमें कुल 1922 निर्णय लिए गए। मोरीगांव से पहले धेमाजी, बांगाईगांव, डिमा हसाओ, तेजपुर, कोकराझार, दिल्ली (4 बार), सिलचर, जोरहाट, डिब्रूगढ़ (2 बार), उदालगुड़ी, तिनसुकिया, नलबाड़ी, लखीमपुर जिले शामिल हैं। दिल्ली से दो बार वर्चुअली बैठकें आयोजित की गई।

बीजापुर में मुठभेड़...

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि तीन जिलों के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के कर्मी, सीआरपीएफ की विशिष्ट जंगल युद्ध इकाई कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन) की पांच बटालियन और सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) की 229वीं बटालियन ऑपरेशन में शामिल हैं। 12 जनवरी को बीजापुर के मद्देड़ थाना क्षेत्र में सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में दो महिलाओं समेत पांच नक्सली मारे गए थे। पुलिस ने कहा था कि दो साल में छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों पर अपने सबसे बड़े हमले में नक्सलियों ने इस महीने की शुरुआत में बीजापुर जिले में 60 से 70 किलोग्राम वजन वाले एक तात्कालिक विस्फोटक उपकरण का उपयोग करके एक वाहन को उड़ा दिया, जिसमें आठ सुरक्षाकर्मी और उनके नागरिक चालक की मौत हो गई।

जनरल विजय कुमार ...

पूर्व मुख्यमंत्री जोरामथांगा और लाल थनहवला भी इस अवसर पर मौजूद रहे। सेवानिवृत्त जनरल सिंह ने एजल आने से पहले गुवाहाटी में स्थित कामाख्या मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। पूर्व सेना प्रमुख जनरल विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त) का जन्म 10 मई, 1951 में हुआ था। जनरल विजय कुमार सिंह वर्ष 2010 से 2012 तक भारतीय सेना के 24वें सेना प्रमुख रहे। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने वर्ष 2014 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थामा और गाजियाबाद से लोकसभा चुनाव जीता था। वे मोदी सरकार में विदेश मामलों, सड़क परिवहन, नागरिक उड्डयन जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों का कार्यभार संभाल चुके हैं।

अदानी ग्रुप को ...

साझा करने के बाद उन्होंने इस सफर को समाप्त करने का समय तय किया है। हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपने नाम के साथ एक खास पहचान बनाई थी—शॉर्ट सेलिंग के जरिए। यह एक ऐसी रणनीति है जिसमें उधार लिए गए शेयरों को बाजार में बेचकर, कीमतों के गिरने की संभावना पर दांव लगाया जाता है। गिरावट के बाद, कम कीमत पर इन्हें खरीदकर मुनाफा कमाया जाता है। हालांकि, इस प्रक्रिया में जोखिम भी भारी होता है। यही वह मॉडल था जिसने हिंडनबर्ग को अरबों डॉलर का मुनाफा दिया, लेकिन साथ ही इसे आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा। नाथन एंडरसन ने अपनी पोस्ट में अपने शुरुआती संघर्षों को भी साझा किया। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने हिंडनबर्ग की शुरुआत की, तो उनके पास न तो पारंपरिक अनुभव था और न ही वित्तीय संसाधन। शुरुआत में उन पर तीन मुकदमे हुए, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति खराब हो गई। उस समय, उनके पास नवजात बच्चा था, और वे बेदखली का सामना कर रहे थे। लेकिन उन्होंने अपने जुनून और सच्चाई में भरोसा बनाए रखा, और धीरे-धीरे उनकी टीम ने असंभव को संभव कर दिखाया। नाथन ने इस सफर को एक अविश्वसनीय यात्रा बताया, जिसमें उन्होंने और उनकी टीम ने दुनिया के कुछ सबसे बड़े साम्राज्यों को हिला दिया। उन्होंने कहा कि उनकी टीम न केवल बेहद प्रतिभाशाली थी, बल्कि उनमें सच्चाई के प्रति एक खास लगाव था। उन्होंने अपने सहयोगियों को परिवार की तरह बताया और कहा कि उनके साथ काम करना उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि रही। हालांकि कंपनी बंद हो रही है, लेकिन नाथन का मानना है कि उनकी कहानी यहां खत्म नहीं होती। अगले छह महीनों में वह अपने मॉडल और प्रक्रिया को ओपन-सोर्स करने की योजना बना रहे हैं, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके अनुभव से सीख सकें। उन्होंने उम्मीद जताई कि कोई व्यक्ति उसी जुनून के साथ इस यात्रा को आगे बढ़ाएगा। हिंडनबर्ग रिसर्च की यह कहानी केवल वित्तीय मॉडल तक सीमित नहीं है; यह संघर्ष, जुनून और सच्चाई पर विश्वास की मिसाल भी है। इस कंपनी ने दिखाया कि छोटी शुरुआत के साथ भी बड़ी-बड़ी लड़ाइयां लड़ी जा सकती हैं। अब जबकि यह अध्याय समाप्त हो रहा है, नाथन एंडरसन और उनकी टीम अपने अनुभव और विरासत के साथ एक नई शुरुआत की ओर कदम बढ़ाने की तैयारी में हैं।

अभिनेता सैफ अली ...

ने बताया कि सैफ को उनके यहां तड़के साढ़े तीन बजे लाया गया। उनके शरीर पर छह जख्म मिले हैं। रीढ़ की हड्डी और गले के पास गहरी चोट है। सुबह साढ़े पांच बजे उनकी सर्जरी की गई। वह खतरे से बाहर हैं। पुलिस का कहना है कि उनके निजी सुरक्षागार्डों और निजी स्टाफ के सदस्यों के मोबाइल फोन की जांच की जा रही है। फिल्म अभिनेता सैफ अली खान का बांद्रा की सतगुरु शरण बिल्डिंग में आलीशान श्री बेडरूम अपार्टमेंट है। इसमें छत, बालकनी और स्विमिंग पूल भी है। इस अपार्टमेंट में सैफ करीना कपूर खान और बच्चे तैमूर और जेह भी उनके साथ रहते हैं।

बांग्लादेश के संविधान...

राज्य नीति में शामिल हैं। ये राज्यनीति के मूलभूत सिद्धांतों के रूप में स्थापित चार सिद्धांतों में से एक हैं। संविधान सुधार आयोग में नए प्रस्तावों के मुताबिक, सिर्फ लोकतंत्र शब्द में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। आयोग के अध्यक्ष अली रियाज ने बताया कि हम 1971 के मुक्ति संग्राम के महान आदर्शों पर काम करना चाहते हैं। साथ ही 2024 में लोगों ओर से किए गए आंदोलन के दौरान उनकी आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए पांच राज्य सिद्धांतों- समानता, मानव गरिमा, सामाजिक न्याय, बहुलवाद के लिए प्रस्ताव भेजा है। मुख्य सलाहकार रियाज ने मीडिया को दिए बयान में कहा कि आयोग ने दो सदन के संसद के गठन की सिफारिश की है जिसमें निम्न सदन को नेशनल असेंबली और उच्च सदन को सीनेट नाम दिया जाएगा। इसमें 105 और 400 सीटें होंगी। साथ ही भेजे गए प्रस्ताव में सुझाव दिया गया है कि प्रस्तावित दोनों सदनों का कार्यकाल संसद के मौजूदा पांच साल के कार्यकाल के बजाय चार साल का होगा। निचला सदन बहुमत के आधार पर और ऊपरी सदन आनुपातिक प्रतिनिधित्व के आधार पर तय किया जाना चाहिए।

खुशखबरी : अगले साल ...

इसके अलावा कैबिनेट ने श्रीहरिकोटा में एक नए लॉन्च पैड की अनुमति दे दी है, इससे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अंतरिक्ष अभियान को गति मिलेगी। कैबिनेट मीटिंग के बाद ब्रीफिंग में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया किपीएम नरेंद्र मोदी ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए आठवें पे कमीशन के गठन को मंजूरी दी है। अगले साल से इसे लागू होना है, लेकिन इसके लिए जल्द ही एक आयोग का गठन किया जाएगा। इसके अध्यक्ष और दो सदस्यों के नाम का एलान भी जल्द होगा। केंद्रीय कर्मचारियों को फिलहाल 7 वें पे कमीशन के हिसाब से वेतन का भुगतान किया जाता है, यह 2016 में गठित हुआ था। अब 8 वां पे कमीशन 2026 से लागू किया जाएगा। इसके लिए समय रहते सुझाव, सिफारिशें आदि आ जाएं इसलिए इसका गठन जल्द किया जाएगा। इसमें एक अध्यक्ष और दो सदस्य होंगे जिनके नाम का एलान जल्द होगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कैबिनेट ने श्रीहरिकोटा में तीसरे लॉन्च पैड को मंजूरी दे दी है। यह आधुनिक होगा। इससे नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्च व्हीकल के लिए, ये मददगार होगा। इस लांच पैड पर राकेट को लिटाकर असेंबल करके वापस सीधा खड़ा किया जा सकेगा। इसकी लागत 3985 करोड़ आएगी। इसकी कैपेसिटी पहले के दो लांच पैड से ज्यादा होगी। केंद्रीय मंत्री के मुताबिक श्रीहरिकोटा में तीसरे लॉन्च पैड का काम अगले 48 माह में पूरा कर लिया जाएगा। इसे अगले 30 सालों को ध्यान में रखकर तेयार किया जाएगा। भविष्य में इसरो को मानव चंद्रयान मिशन लॉन्च करने वाला है, उसमें भी इस लॉन्च पैड का प्रयोग किया जाएगा

पीएम पद के बाद ...

कर दिया। अब जस्टिन ट्रूडो के बड़े एलान के बाद उनके राजनीतिक मर्सिया लिखे जाने की कवायद भी शुरू होने लगी है। दरअसल, कनाडा के निवर्तमान प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा है कि वह अगला संघीय चुनाव नहीं लड़ेंगे। कहा जा रहा है कि यह ट्रूडो के करियर का आश्चर्यजनक अंत है, जिन्हें एक दशक पहले एक युवा, ऊर्जावान नेता के रूप में जाना जाता था। कनाडा के ग्लोबल न्यूज के मुताबिक जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि मैंने अपने निर्णयों के संदर्भ में मैं आगामी चुनाव में भाग नहीं लूंगा। ट्रूडो ने यह भी कहा कि उनके पास यह सोचने के लिए ज्यादा समय नहीं था कि राजनीति छोड़ने के बाद वह क्या करेंगे। जहां तक कि मैं बाद में क्या कर सकता हूं, ईमानदारी से कहूं तो मेरे पास इसके बारे में सोचने के लिए ज्यादा समय नहीं है, मैं पूरी तरह से उस काम को करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं जिसे करने के लिए कनाडाई लोगों ने मुझे असाधारण रूप से महत्वपूर्ण समय में चुना है। ट्रूडो ने कनाडा के प्रधानमंत्रियों और अमेरिका में कनाडा के राजदूत और कुछ संघीय कैबिनेट मंत्रियों से भी मुलाकात की। यह इस बात पर चर्चा करने के लिए किया गया था कि कनाडा ट्रम्प की टैरिफ धमकियों का जवाब कैसे देगा। ट्रूडो ने कहा कि मैं कहना चाहता हूं कि (सस्केचेवान प्रीमियर) स्कॉट (मो) और (ओंटारियो प्रीमियर) डौग (फोर्ड), और कुछ लोग जो कुछ समय से आसपास रहे हैं, इस टीम कनाडा दृष्टिकोण में, इन वार्तालापों में असाधारण रूप से अमूल्य रहे हैं। उन्होंने इस बात पर भी चर्चा की कि कैसे सभी ने कनाडा को प्राथमिकता दी।

तीन दिवसीय गुवाहाटी एशियन फिल्म फेस्टिवल सात फरवरी से होगा शुरू

गुवाहाटी (हिंस)। बहुप्रतीक्षित गुवाहाटी एशियन फिल्म फेस्टिवल (जीएएफएफ) 2025 का आयोजन इस बार 7 से 9 फरवरी, 2025 तक गुवाहाटी के ऐतिहासिक ज्योति चित्रबन फिल्म स्टूडियो में होने जा रहा है। फिल्म प्रेमियों, रचनाकारों और फिल्म उद्योग के पेशेवरों के लिए यह तीन दिवसीय महोत्सव एशियाई सिनेमा की उत्कृष्ट कृतियों को प्रदर्शित करने के साथ ही सांस्कृतिक आदान-प्रदान और रचनात्मक संवाद का एक अनोखा मंच होगा। फेस्टिवल का शुभारंभ ईरानी फिल्म *इन द आर्म्स ऑफ द ट्री* से होगा, जिसे प्रसिद्ध निर्देशक बाबाक खाजेपासा ने निर्देशित किया है। यह फिल्म जीएएफएफ के पहले संस्करण के लिए एक प्रेरणादायक शुरुआत करेगी। इस फेस्टिवल का समापन फिल्म *माय मेलबर्न* से होगा, जिसे इम्तियाज अली, रीमा दास, ओनिर और कबीर खान ने निर्देशित किया है। इस फेस्टिवल के लिए एशिया के विभिन्न देशों जैसे ईरान, नेपाल, उज़्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, बांग्लादेश, हांगकांग, अजरबैजान, फिलीपींस, श्रीलंका और तुर्की की 200 से अधिक फीचर फिल्मों का चयन किया गया है। साथ ही, उत्तर-पूर्व भारत की फिल्मों के लिए विशेष प्रतिस्पर्धा आयोजित की जाएगी, जिसमें सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ

निर्देशन और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जैसी श्रेणियों में उत्कृष्ट उपलब्धियों को सम्मानित किया जाएगा। गुरुवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में फेस्टिवल की मानद निदेशक मोनिता बोरगोहाईं ने कहा कि जीएएफएफ 2025 एशिया की समृद्ध कहानी कहने की परंपराओं का एक शानदार उत्सव बनने जा रहा है। हमने दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने और फिल्म निर्माताओं को प्रेरित करने वाली फिल्मों का सावधानीपूर्वक चयन किया है। हर फिल्म को एक अद्वितीय सिनेमाई अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से चुना गया है, जो संस्कृतियों को जोड़ते हुए सार्थक संवाद को प्रोत्साहित करेगी। तीन दिवसीय इस आयोजन में प्रतिष्ठित फिल्म निर्माताओं और उद्योग विशेषज्ञों द्वारा आयोजित पैनल चर्चाओं और कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जाएगा, जो रचनात्मक संवाद और सहयोग को बढ़ावा देगा। यह फिल्म निर्माताओं, अभिनेताओं और सिने-प्रेमियों को नेटवर्किंग और भविष्य की परियोजनाओं की संभावनाओं को तलाशने का अवसर देगा। गुवाहाटी के लोगों से इस महोत्सव में भाग लेने की अपील करते हुए, फेस्टिवल के मानद कार्यक्रम निदेशक किशोर कुमार शर्मा ने कहा कि यह सिनेमा प्रेमियों के लिए एशिया की बेहतरीन सिनेमाई कृतियों का आनंद लेने का शानदार मौका है। जीएएफएफ 2025 असम के केंद्र में रहते हुए दुनियाभर की विविध संस्कृतियों, कहानियों और कलात्मक अभिव्यक्तियों का अनुभव कराने के लिए तैयार है। अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त श्रीलंकाई फिल्म निर्माता प्रसन्ना विथानगे मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। इस फेस्टिवल को और अधिक प्रतिष्ठित बनाने के लिए, प्रसिद्ध फिल्म समीक्षक और फेस्टिवल सलाहकार श्रीनिवास संथानम, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म समीक्षक और फिल्म निर्माता उत्पल बोरपुजारी, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता मंजू बोरा, और प्रमुख फिल्म समीक्षक, संगीत पत्रकार और संपादक डाल्टन क्रिस्टोफर फेस्टिवल के पहले संस्करण का हिस्सा होंगे। प्रसिद्ध और उभरते हुए फिल्म निर्माताओं की रचनात्मकता और कथानकों का जश्न मनाते हुए, गुवाहाटी एशियन फिल्म फेस्टिवल का यह उद्घाटन संस्करण एशियाई सिनेमा के लिए वैश्विक प्रशंसा को प्रोत्साहित करते हुए एक प्रमुख सांस्कृतिक आयोजन बनने का लक्ष्य रखता है। फेस्टिवल में पंजीकरण और अधिक जानकारी के लिए जीएएफएफडॉटकोडॉटइन पर संपर्क किया जा सकता है।

असम विधानसभा का बजट सत्र 17 फरवरी को कोकराझाड़ में आयोजित किया जाएगा

कोकराझाड़ (विभास)। असम विधानसभा का बजट सत्र पहली बार बीटीआर की राजधानी कोकराझाड़ में आयोजित किया जाएगा। 17 फरवरी को होने वाला एक दिवसीय सत्र बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद विधान सभा (बीटीसीएलए) परिसर में आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक अवसर की तैयारी में, असम विधानसभा के अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी ने वरिष्ठ विधानसभा अधिकारियों के साथ बीटीसी विधान सभा परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरे का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि सत्र के सुचारू संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। तैयारियों का आकलन करने के लिए बीटीसी (बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद) सम्मेलन कक्ष में एक समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो, बीटीसी विधान सभा अध्यक्ष कटिराम बोरो, कार्यकारी सदस्य, पुलिस अधिकारी और वरिष्ठ अधिकारी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए शामिल हुए। स्पीकर बिस्वजीत दैमारी ने तैयारियों पर संतोष व्यक्त किया और आगामी सत्र के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि सत्र में असम की छठी अनुसूची परिषद से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा होगी। यह ऐतिहासिक कदम कोकराझाड़ और बीटीआर क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो असम के विधायी ढांचे में इसके बढ़ते महत्व को दर्शाता है।

मिजोरम में सीएनएफ नेता समेत पांच गिरफ्तार, हथियारों का जखीरा बरामद

एजल (हिंस)। मिजोरम के ममित जिले के वेस्ट फेलेंग थाना क्षेत्र के सैथाह गांव के पास मिजोरम पुलिस और खुफिया एजेंसी को संयुक्त अभियान में बड़ी संख्या में हथियार और गोला-बारूद बरामद करने में कामयाबी मिली है। इस दौरान म्यांमार के चिन नेशनल फ्रंट (सीएनएफ) का एक प्रमुख नेता पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस के मुताबिक अभियान के दौरान छह एके-47 राइफल, 10,050 कारतूस और 13 मैगजीन को बरामद कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें म्यांमार के चिन नेशनल फ्रंट

(सीएनएफ) का एक प्रमुख नेता भी शामिल है। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि यह हथियार म्यांमार के सीएनएफ और बांग्लादेश के यूपीडीएफ-पी के बीच तस्करी के लिए भेजे जा रहे थे। ममित जिले के वेस्ट फेलेंग थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है।

एनटीपीसी बंगाईगांव ने गर्व और वादे के साथ मनाया 20वां स्थापना दिवस

कोकराझाड़ (हिंस)। एनटीपीसी बंगाईगांव ने आज अपने प्लांट परिसर में अपना 20वां स्थापना दिवस मनाया। एनटीपीसी बंगाईगांव के सीजीएम अर्नब मैत्रा ने प्रशासनिक भवन परिसर में एनटीपीसी का ध्वज फहराया, उसके बाद एनटीपीसी गीत गाने के साथ ही केक काटा गया। मैत्रा द्वारा एनटीपीसी कलर के गुब्बारे छोड़े गए। इस अवसर पर जीएम (ओएंडएम) देवव्रत कर, जीएम (ऑपरेशन) आशुतोष विश्वास, बार्डवी शिकला लेडीज क्लब की अध्यक्ष कस्तूरी मैत्रा, बार्डवी शिकला लेडीज क्लब की उपाध्यक्ष सौम्या कर, सीआईएसएफ, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष और कर्मचारी, यूनियन और एसोसिएशन, विभिन्न कल्याण निकायों के सदस्य उपस्थित थे। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए मैत्रा ने कहा कि 16 जनवरी, 2006 को रखी गई एनटीपीसी बंगाईगांव की आधारशिला ने न केवल पूरे बीटीआर क्षेत्र, पूर्वोत्तर और पूरे देश में विकास के द्वार खोल दिए हैं। अपने संबोधन में मैत्रा ने कहा कि 14 जनवरी, 2025 तक हमारे स्टेशन ने उल्लेखनीय परिचालन उपलब्धियां हासिल कर ली हैं, तथा 73.98 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) और 93.34 प्रतिशत घोषित क्षमता (डीसी) के साथ 3848.64 मिलियन यूनिट (एमयू) ऊर्जा का प्रभावशाली उत्पादन किया है। उन्होंने कहा कि स्टेशन ने सहायक बिजली खपत (एपीसी) और विशिष्ट तेल खपत जैसे महत्वपूर्ण मापदंडों को स्वीकार्य सीमा के भीतर बनाए रखा है, साथ ही 2.55 लीटर प्रति किलोवाट-घंटे (केडब्ल्यूएच) की विशिष्ट जल खपत को बनाए रखा है, जो टिकाऊ संसाधन प्रबंधन पर हमारे फोकस को दर्शाता है। मैत्रा ने इस तथ्य की सराहना की कि एनटीपीसी में सुरक्षा मूल्यांकन मैट्रिक्स (एसईएम) और प्रदर्शन मूल्यांकन मैट्रिक्स (पीईएम) रैंकिंग में, एनटीपीसी बंगाईगांव वर्तमान में चौथे स्थान पर है।

रंगिया : माघ पूर्णिमा महोत्सव के लाईखूंटा स्थापित

रंगिया (विभास)। प्रतिवर्ष की तरह इसबार भी रंगिया स्थित बरमुरा गांव के खानापाड़ा सुबुरी नामघर प्रांगण में आगामी 12 फरवरी यानी 29 माघ, बुधवार को एकदिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों के साथ पूर्णिमा तिथि महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसके प्रारंभिक कार्यक्रम के रूप में बुधवार को समिति के सभी पदाधिकारियों के पूर्ण सहयोग से आगामी महोत्सव के मुख्य पंडाल के लाईखूंटा की स्थापना की गई। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में प्रात: 6 बजे सामूहिक मैराथन दौड़, वर्तमान समय में प्राय: लुप्तप्राय होने वाली उरुली प्रतियोगिता, वेक्शन प्रतियोगिता और चित्रांकन प्रतियोगिता के साथ बच्चों के बीच अन्य विभिन्न खेल-कूद प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। वहीं दूसरी ओर आयोजन समिति द्वारा आगामी माघी उत्सव के सभी कार्यक्रमों में भक्तों के उपस्थिति और मार्गदर्शन की कामना की गई है।

उमरांग्सू कोयला खदान अभियान

आज से अभियान से अलग होगा एनडीआरएफ, असम राइफल्स

डिमा हसाओ (हिंस)। प्रथम बटालियन, एनडीआरएफ उमरांग्सू 3 किलो में एसएआर टीम-1ए ने इंस्पेक्टर आरके सिंह के नेतृत्व में संयुक्त खोज एवं बचाव अभियान चला रहा है। इस ऑपरेशन का पर्यवेक्षण पंकज काविदयाल, 2आईसी द्वारा किया गया, जो सुबह 06:30 बजे से शाम 06:00 बजे तक चला। शुक्रवार से एनडीआरएफ और असम राइफल्स को अभियान से अलग कर दिया जाएगा। ऑपरेशन स्थल पर उपस्थित एजेंसियों में एनडीआरएफ, सेना, कोल इंडिया, असम राइफल्स, एसडीआरएफ तथा फायर और ईएस शामिल हैं। कोल माइन में वर्तमान जलस्तर 24 मीटर है। दो और 25 एचपी पंप आज लगाए गए हैं। कुल 14 पंपों (25 एचपी-12 और 20 एचपी-02) का उपयोग करके पानी निकालने का कार्य जारी है। सेना और एसएफ डाइवर अगले सात दिनों तक काम करेंगे। एनडीआरएफ को 17 जनवरी को हटा दिया जाएगा। कोल इंडिया टीम और पंप को भी हटा दिया जाएगा। एसडीआरएफ टीम को आवश्यकतानुसार बचाव कार्य के लिए रोटेशन पर जारी रखा जाएगा। सेना के इंजीनियर जल, बिजली और अन्य तकनीकी सहायता के लिए स्थानीय स्तर पर पुन: निर्धारण के अनुसार कार्य करेंगे। असम राइफल्स को 17 जनवरी को हटा दिया जाएगा। हेलिपैड संचालन का प्रबंधन स्थानीय पुलिस द्वारा किया जाएगा। राज्य अधिकारियों द्वारा आज के लिए ऑपरेशन को समाप्त कर दिया गया है और कल सुबह फिर से कार्रवाई शुरू की जाएगी। टीम ने ऑपरेशन स्थल पर रात बिताई। आज की उपलब्धि शून्य रही।

असम राइफल्स ने छात्र सेना दिवस के लिए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया

विश्वनाथ (विभास)। असम राइफल्स ने असम राइफल्स हाई स्कूल, लोकरा में एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। सेना दिवस के उत्सव को चिह्नित करें। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से भारतीय सेना की बहादुरी, बलिदान और समर्पण का सम्मान करने के लिए प्रेरित करना था। इस कार्यक्रम में कुल 63 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें 26 छात्राएं, 28 छात्र, 07 शिक्षक और असम राइफल्स के 02 कर्मी शामिल थे। प्रतियोगिता ने छात्रों को वीरता, देशभक्ति और राष्ट्र की सुरक्षा में सशस्त्र बलों की महत्वपूर्ण भूमिका के विषयों को दर्शाने वाले पोस्टर डिजाइन करके अपनी रचनात्मकता दिखाने के लिए प्रोत्साहित किया। जीवंत और विचारशील कलाकृतियां भारतीय सेना के प्रति छात्रों के सम्मान और प्रशंसा को दर्शाती हैं। इस आयोजन ने युवाओं में देशभक्ति को बढ़ावा देने के लिए एक सार्थक मंच प्रदान किया। असम राइफल्स ने प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की और प्रेरक टिप्पणियों के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

पुलिस अधिकारी समेत दो नगा युवक ड्रग्स के साथ गिरफ्तार

गोलाघाट (हिंस)। असम-नागालैंड सीमा के पास मेरापानी में दो नगा युवकों को मादक पदार्थों के साथ गिरफ्तार किया गया। स्थानीय निवासियों ने देयलपुर क्षेत्र में मेरापानी थाने के पास दोनों युवकों को रोका और उनके पास से 333 प्रतिबंधित *सिम्पेक्स* टैबलेट बरामद किए। गुरुवार को पुलिस सूत्रों ने बताया है कि घटना के दौरान सीमा पर तैनात सीआरपीएफ ने हस्तक्षेप किया। हालांकि, असम पुलिस को सूचना देने के बजाए, सीआरपीएफ ने आरोपियों को नगालैंड पुलिस को सौंप दिया। गिरफ्तार युवकों की पहचान रांच किकॉन और चाम्बे के रूप में हुई है। सीआरपीएफ अधिकारी के अनुसार, दोनों में से एक नगालैंड पुलिस के अधिकारी है। सीआरपीएफ द्वारा नगालैंड पुलिस को सौंपने की कार्रवाई को लेकर समुदाय में नाराजगी पैदा कर दी है। लोगों का कहना है कि यह कार्रवाई सीमा क्षेत्र में असम की क्षेत्रीय अधिकारिता को कमजोर करती है।

एसएसबी ने इमारती अवैध लकड़ी को किया जब्त

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) रानीगुली के बाह्य सीमा चौकी नहारानी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सीमा चौकी नहारानी ने वन विभाग उल्टापानी के साथ मिलकर, भारत-भूटान पिलर संख्या-154 से लगभग 5 किलोमीटर भारत की ओर गांव-अलीपुर (नहारगुरी) के नजदीकी जंगलों में रात्री गश्ती के दौरान कटी हुई लगभग 64.645 सीएफटी इमारती लकड़ी के साथ एक लकड़ी काटने वाला मशीन को जब्त किया। जब्त की गई अवैध लकड़ी व लकड़ी काटने वाला मशीन को वन विभाग उल्टापानी कों अग्रिम कार्रवाई हेतु सुपूर्द किया गया। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल लगातार भारत-भूटान सीमा पर भारतीय वन क्षेत्रों में गश्ती एवं चौकसी के कारण तस्करों की गलत गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सफल हुई है।

मणिपुर में हथियार और विस्फोटक बरामद

इंफाल (हिंस)। भारत-म्यांमार सीमा से सटे मणिपुर के सीमावर्ती इलाकों से भारी संख्या में हथियार और विस्फोटकों की बरामदगी हुई है। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के पहाड़ी और घाटी जिलों में सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में तलाशी अभियान चलाया। अभियान में बिष्णुपुर जिले के नंबोल थाना क्षेत्र के आइगेजांग और लैमाराम उयोक चिंग के पास से एक 51 मिमी मोर्टार ट्यूब लांचर, एक एसएलआर राइफल (मैगजीन सहित), एक स्नाइपर राइफल, तीन 40 मिमी लैथोड शेल, चार एसएलआर के जिंदा कारतूस, चार 36 एचई ग्रेनेड, एक स्मोक बम तथा अन्य विस्फोटक और उपकरण बरामद किए गए। एक अन्य अभियान में थौबल जिले के नोंगपोक सेक्माई थाना क्षेत्र के सलाम पटोंग गांव से एक 9 मिमी सीएमजी मैगजीन, चार 36 एचई हैंड ग्रेनेड, 27 जिंदा कारतूस, 7.62×39 मिमी खाली खोल: 117, हेलिकन एंटीना, डेटोनेटर, रेडियो सेट और अन्य उपकरण बरामद किए गए।

मायुमं, कामाख्या शाखा ने जरूरतमंदों के बीच बांटी आवश्यक सामग्री

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच, कामाख्या शाखा ने गत 14 जनवरी को शाखाध्यक्ष स्नेहल बिदासरिया की अध्यक्षता में ढेकियाजुली स्थित अरुण टी स्टेट में जाकर जरुरतमंद परिवार को आवश्यक सामग्री का वितरण किया जिसमें कपड़ा, कंबल, शाल, स्वटर और खाद्य पदार्थ थे। शाखा सदस्यों ने बुजुर्ग महिलाओं को अपने हाथों से शाल ओढ़ाकर एवं बच्चों के बीच बिस्कुट, चीप्स इत्यादि देकर खुशियां मनाई। इस अवसर पर शाखाध्यक्ष स्नेहल बिदासरिया ने माननीय स्वास्थ्य मंत्री आशोकानन्द सिंहल के आवास स्थान पर जाकर शाल और कोषाध्यक्ष खुशबू मोर एवं अन्य सदस्यों ने फूलम गमछा ओढ़ाकर कर अभिनंदन किया। इस कार्यक्रम ढेकियाजुली के दीपक बुच्चा, मायुम ढेकियाजुली शिखर शाखा के अध्यक्ष जयप्रकाश पारीक, सचिव आकाश पाटोदिया, उप सचिव नेमिचंद शर्मा के अलावा कामाख्या शाखा की सलाहकार एवं पूर्व अध्यक्ष मिना पोद्दार, शांति कुंडलिया, जया पारीक, मीना जैन, ममता सेठी उपस्थित थी। कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजिका अनिशा अग्रवाल, जया पारीक, मीना जैन, निष्ठा पौद्दार ने सभी शाखा सदस्यों के साथ मिलकर बहुत परिश्रम किया। यह जानकारी जन संपर्क सचिव अरुणा अग्रवाल ने दी

वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच के मासिक काव्य गोष्ठी में कवियों ने वाहवाही बटोरी

विश्वनाथ (विभास)। वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच कार्यक्रम का बुधवार को वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच की असम इकाई की नियमित काव्य गोष्ठी का आदरणीय नरेश नाज (संस्थापक)के मार्ग दर्शन में तथा आभा चौधरी जी के नेतृत्व में आभासी पटल के (ऑनलाइन) माध्यम से संपन्न किया गया। काव्य गोष्ठी के मुख्य अतिथि वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच के वैश्विक अध्यक्ष श्री एम एस जग्गी जी रहें। श्रीमती हेमलता गोलछा ने सरस्वती वंदना कर मंच को गौरवान्वित किया तथा श्री विनय कुमार बुद्ध जी ने मंच के सामने मुख्य अतिथि का परिचय रखा। तदोपरांत मुख्य अतिथि ने अपना आशीष वचन मंच के सामने रखा और आभा चौधरी के संचालन और अध्यक्षता में काव्य गोष्ठी का शुभारंभ हुआ। काव्य गोष्ठी में सभी ने एक से बढ़कर

एक कविताएं प्रस्तुत कर काव्य मंच में चार चांद लगा दिया। कभी गोष्ठी का शुभारंभ आदरणीय लकी दास की कविता द्वारा हुई। उन्होंने प्रकृति के ऊपर बहुत ही सुंदर कविता वाचन किया, तो वहीं अंजना जी ने एक दुल्हन के सपनों को चूर-चूर होते हुए बहुत ही मार्मिक कविता पाठ किया। हिंदी सेवी संतोष कुमार महतो जी ने *मैं न जिऊं बिन प्रभु श्रीराम के* कविता वचन कर प्रभु श्री राम के प्रति अपना भक्ति भाव प्रदर्शित किया, तो वही सूचित सिंह जी ने जीवन के उतार-चढ़ाव को बड़ी ही बारीकी से अपनी कविता द्वारा मंच के सामने प्रस्तुत किया। जाकिर हुसैन जी ने सड़क जैसे निर्जीव वस्तु में सजीवता डालकर कविता को एक अलग ही मुकाम पर पहुंचा दिया। हेमलता गोलछा जी ने अपनी बहुत ही सुंदर दोहावली मंच के सामने प्रस्तुत किया तो वही आज के काव्य गोष्ठी के मुख्य अतिथि आदरणीय एम एस जग्गी जी ने अपनी कविताओं के माध्यम से समाज में मानवता को प्रतिष्ठित करने की बात कही। इनकी कविताएं मानव धर्म से उत्प्रोत रही और अंत में काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता कर रही आभा चौधरी ने अपनी सीरिया पर लिखिए अपनी एक कविता सुनकर मंच को भाव विभोर कर दिया। गोष्ठी के अंतिम पड़ाव में मुख्य अतिथि आदरणीय एमएस जग्गी जी ने अपने अनुभव मंच के साथ साझा करते हुए कहा कि इस मंच में आकर उन्हें बहुत अच्छा लगा तथा सभी कवियों के आगामी जीवन के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और अपना आशीर्वाद दिया। इसके बाद मंच की अध्यक्षता करने वाली आभा चौधरी जी ने सभी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन करते हुए काव्य गोष्ठी की औपचारिक रूप से समापन की घोषणा की।

संपादकीय

दिल्ली चुनाव में आतंकी

अफजल गुरु एक खूंखार आतंकवादी था। वह 13 दिसंबर, 2001 को भारतीय संसद पर आतंकी हमले का मास्टर माइंड था। सर्वोच्च अदालत ने बाकायदा सुनवाई के बाद उसे 'अपराधी' करार दिया और मौत की सजा सुनाई। उस दौर में एक जमात ऐसी थी, जो अफजल गुरु को माफ करने की पक्षधर थी। सार्वजनिक तौर पर ज्ञापन तैयार कर राष्ट्रपति से अनुरोध किए गए। अंततः कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए-2 सरकार के दौरान अफजल गुरु को फांसी पर लटका दिया गया। उसी के साथ वह अध्याय समाप्त हो जाना चाहिए था, लेकिन कश्मीर में फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती उस आतंकवाद को 'मासूम' मानते रहे और फांसी को 'गलत फैसला' ठहराते रहे। अफजल गुरु के जिस्मानी अवशेष उसके परिजनों को सौंपने तक की पैरोकारी करते रहे। आश्चर्य और विडंबना है कि दिल्ली चुनाव में अफजल गुरु एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनकर उभरा है। क्या आतंकवाद और उसके समर्थन पर भी जनादेश मांगा या दिया जा सकता है? ध्यान रहे कि बीते वर्ष से दिल्ली के स्कूलों को ई-मेल के जरिए ऐसी धमकियां मिलती रही हैं, जिनमें बम विस्फोट का खौफ फैलाया जाता रहा है। दिल्ली में 400 स्कूलों को ऐसी धमकियां दी जा चुकी हैं। दिल्ली पुलिस ने जांच के बाद कुछ रहस्योद्घाटन किए, जिनमें अफजल का नाम सामने आया। पुलिसिया जांच का निष्कर्ष यह है कि वे धमकियां एक नाबालिग, 12वीं कक्षा के छात्र ने दी थीं। उसने ऐसी तकनीक का इस्तेमाल किया, जो साइबर की महत्वपूर्ण जानकारी रखने वाला शख्स ही कर सकता था। पुलिस ने जांच के दौरान आरोपित नाबालिग की पारिवारिक पृष्ठभूमि को भी खंगाला, तो यह तथ्य सामने आया कि उसके पिता एक एनजीओ से जुड़े हुए हैं। एनजीओ के एक राजनीतिक दल से पुराने और प्रगाढ़ संबंध रहे हैं। इस एनजीओ ने अफजल गुरु को फांसी देने का विरोध किया था। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के माता-पिता ने भी एक ज्ञापन पर बाकायदा दस्तखत कर फांसी की सजा का विरोध किया था। खुद आतिशी और उनके माता-पिता भी किसी एनजीओ से जुड़े रहे हैं। नाबालिग वाले एनजीओ और आतिशी परिवार के एनजीओ के बीच क्या कोई 'साझा सूत्र' है? पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का बुनियादी काम एनजीओ का ही है। उनके एनजीओ का प्रबंधन आजकल किसके हाथों में है, हमें नहीं पता, लेकिन एनजीओ के जरिए और सूचना के अधिकार के लिए केजरीवाल ने जो काम किए थे, उनके लिए उन्हें 'मैगसेसे अवार्ड' से नवाजा गया था। उसे 'एशिया का नोबेल पुरस्कार' माना जाता है। सवाल है कि किसी ने ज्ञापन के जरिए अफजल गुरु या याकूब मेमन की सजा का विरोध किया हो, तो क्या वे भी आतंकी करार दिए जा सकते हैं? क्या वह उनकी 'अभिव्यक्ति की आजादी' नहीं है? यदि एनजीओ और राजनीतिक दल के बीच कोई 'आतंकी सूत्र' है, तो दिल्ली पुलिस ने उसे बेनकाब क्यों नहीं किया? राजनीतिक दल के नाम का खुलासा क्यों नहीं किया? अब भाजपा 'आप' के आतंकी सूत्रों पर सवाल उठा रही है। क्या आरोपित छात्र वाला एनजीओ और राजनीतिक दल 'आप' ही है? यह चुनाव की संवेदनशीलता का दौर है। एक-एक आरोप चुनाव की दिशा और दशा बिगाड़ सकता है। यह निष्पक्ष चुनाव भी नहीं माना जा सकता। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा है कि पुलिस जांच में यह भी पाया गया कि एनजीओ पहले भी राष्ट्रीय सुरक्षा के खिलाफ गतिविधियों में शामिल रहा है।

सार्वजनिक तौर पर ज्ञापन तैयार कर राष्ट्रपति से अनुरोध किए गए। अंतत: कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए-2 सरकार के दौरान अफजल गुरु को फांसी पर लटका दिया गया। उसी के साथ वह अध्याय समाप्त हो जाना चाहिए था, लेकिन कश्मीर में फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती उस आतंकवाद को 'मासूम' मानते रहे और फांसी को 'गलत फैसला' ठहराते रहे। अफजल गुरु के जिस्मानी अवशेष उसके परिजनों को सौंपने तक की पैरोकारी करते रहे। आश्चर्य और विडंबना है कि दिल्ली चुनाव में अफजल गुरु एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनकर उभरा है। क्या आतंकवाद और उसके समर्थन पर भी जनादेश मांगा या दिया जा सकता है? ध्यान रहे कि बीते वर्ष से दिल्ली के स्कूलों को ई-मेल के जरिए ऐसी धमकियां मिलती रही हैं, जिनमें बम विस्फोट का खौफ फैलाया जाता रहा है। दिल्ली में 400 स्कूलों को ऐसी धमकियां दी जा चुकी हैं। दिल्ली पुलिस ने जांच के बाद कुछ रहस्योद्घाटन किए, जिनमें अफजल का नाम सामने आया। पुलिसिया जांच का निष्कर्ष यह है कि वे धमकियां एक नाबालिग, 12वीं कक्षा के छात्र ने दी थीं।

श्रमिकों में डिजिटल साक्षरता या ई-श्रम पंजीकरण और लाभ ट्रैकिंग के लिए आवश्यक उपकरणों तक पहुँच की कमी है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में

आखिर प्रवासी श्रमिकों की दुर्दशा का कारण क्या है?

दशकों से कानूनी ढाँचे और सिफारिशों के बावजूद, सामाजिक सुरक्षा तक उनकी पहुँच अपर्याप्त रही है। अंतरराज्यीय प्रवासी कामगार अधिनियम, 1979 में प्रावधान और असंगठित क्षेत्र में राष्ट्रीय उद्यम आयोग (2007) और असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम (2008) द्वारा श्रमिक पंजीकरण के लिए सिफारिशों के बावजूद, ई-श्रम पोर्टल तक प्रवासी श्रमिक आधिकारिक डेटाबेस में काफ़ी हद तक अदृश्य रहे। जबकि ई-श्रम पोर्टल पर 300 मिलियन से अधिक श्रमिक पंजीकृत हैं, उनमें से अधिकांश को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में एकीकृत नहीं किया गया है।

भारत के असंगठित कार्यबल का एक महत्त्वपूर्ण लेकिन कमज़ोर वर्ग, प्रवासी श्रमिक, अक्सर सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों से बाहर रह जाते हैं। दशकों से कानूनी ढाँचे और सिफारिशों के बावजूद, सामाजिक सुरक्षा तक उनकी पहुँच अपर्याप्त रही है। अंतरराज्यीय प्रवासी कामगार अधिनियम, 1979 में प्रावधान और असंगठित क्षेत्र में राष्ट्रीय उद्यम आयोग (2007) और असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम (2008) द्वारा श्रमिक पंजीकरण के लिए सिफारिशों के बावजूद, ई-श्रम पोर्टल तक प्रवासी श्रमिक आधिकारिक डेटाबेस में काफ़ी हद तक अदृश्य रहे। जबकि ई-श्रम पोर्टल पर 300 मिलियन से अधिक श्रमिक पंजीकृत हैं, उनमें से अधिकांश को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में एकीकृत नहीं किया गया है। मौसमी और परिपत्र प्रवासियों को वंचितता, कलंक, तस्करी और सार्वजनिक सेवाओं तक खराब पहुँच सहित अनूठी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उनकी उच्च गतिशीलता सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने को जटिल बनाती है। कई श्रमिकों में डिजिटल साक्षरता या ई-श्रम पंजीकरण और लाभ ट्रैकिंग के लिए आवश्यक उपकरणों तक पहुँच की कमी है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। राज्यों में अक्सर कल्याणकारी योजनाओं का असंगत कार्यान्वयन होता है, जिससे समन्वय सम्बंधी समस्याएँ पैदा होती हैं जो लाभों की पोर्टेबिलिटी को कमज़ोर करती हैं। मौजूदा कल्याणकारी योजनाएँ जैसे कि मनरेगा, पीएम श्रम योगी मानधन और वन नेशन वन राशन कार्ड अक्सर अलग-अलग तरीके से काम करती हैं, जिससे प्रवासी श्रमिकों के लिए निर्बाध पहुँच में बाधाएँ पैदा होती हैं। 2021 में लॉन्च किए गए ई-श्रम पोर्टल का उद्देश्य असंगठित श्रमिकों का दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रीय डेटाबेस बनाना है। इसमें 300 मिलियन से अधिक श्रमिक पंजीकृत हैं, जिनमें प्रवासियों का एक महत्त्वपूर्ण अनुपात शामिल है। यह कल्याणकारी योजनाओं के लिए श्रमिकों की बेहतर पहचान और लक्ष्यीकरण की सुविधा प्रदान करता है।

हालाँकि, यह मुख्य रूप से एक "पंजीकरण अभियान" है जिसका सामाजिक सुरक्षा में समावेश पर सीमित ध्यान है। 2024 में लॉन्च किया गया विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को ई-श्रम पोर्टल के साथ एकीकृत करके पंजीकरण और सामाजिक सुरक्षा तक पहुँच के बीच की खाई को पाटने का प्रयास करता है। इसके लाभों में एकीकृत दृष्टिकोण, लाभों की पोर्टेबिलिटी और पारदर्शी तथा श्रमिक-अनुकूल प्रक्रिया शामिल है। हालाँकि, चिंताओं में मौजूदा योजनाओं का सीमित कवरेज, श्रमिकों में जागरूकता की कमी और अंतर-राज्य समन्वय का कमज़ोर होना शामिल है। ई-श्रम पोर्टल और ओएसएस प्रवासी श्रमिकों के सामने आने वाली सामाजिक सुरक्षा चुनौतियों को सम्बोधित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण क़दम है। हालाँकि, उनकी सफलता कार्यान्वयन बाधाओं पर काबू पाने, निर्बाध अंतर-राज्य समन्वय सुनिश्चित करने और श्रमिकों के बीच जागरूकता बढ़ाने पर निर्भर करती है। आंकड़ों के अनुसार, जो लोग आजीविका की तलाश में स्थानीय और क्षेत्रीय सीमाओं के पार जाते हैं, उन्हें अपने मेजबान समाज में स्थायी रूप से बाहरी समझे जाने का अपमान सहना पड़ता है। श्रमिकों को अक्सर टेलीविजन स्क्रीन पर दुखद घटनाओं के पात्र के रूप में दिखाया जाता है, जिससे उनके योगदान और उन्हें प्राप्त मान्यता के बीच का अंतर उजागर होता है। राष्ट्र के बुनियादी ढांचे के पीछे की ताकत होने के बावजूद, राष्ट्रीय महानता के विमर्श में उनकी भूमिका को शायद ही कभी स्वीकार किया जाता है। पॉलिसी शून्य होने के कारण अक्सर असुरक्षित छोड़ दिया जाता है यद्यपि प्रवासी कार्यबल राष्ट्रीय गौरव के प्रत्यक्ष चिह्नों में महत्वपूर्ण योगदान देता है, फिर भी उनके अधिकारों को नियंत्रित करने वाली नीतियों का घोर अभाव है। अंतरराज्यीय प्रवासी कर्मकार अधिनियम, 1979, इस विशाल जनसंख्या की आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास करने वाला एकमात्र कानून है। हालाँकि, आवास, स्वास्थ्य देखभाल, न्यूनतम मजदूरी और भेदभावपूर्ण प्रथाओं की रोकथाम के लिए इसके प्रावधान अक्सर अधूरे रह जाते हैं। प्रवासी श्रमिकों के साथ उनकी मानवता पर विचार किए बिना एक नौकरी मशीन की तरह व्यवहार किया जाता है। सरकारी प्रणालियाँ अक्सर प्रवासी श्रमिकों के सामने आने वाली विशिष्ट चुनौतियों और परिवर्तनों की परवाह नहीं करतीं। प्रवासी श्रमिकों को न केवल कानूनी सुरक्षा नहीं मिलती बल्कि उन्हें शहर के प्रतिकूल वातावरण में भी संघर्ष करना पड़ता है। शहर सड़कों और इमारतों जैसे निर्माण के लिए प्रवासी श्रमिकों पर निर्भर रहते हैं, लेकिन इन शहरों में इन प्रवासी श्रमिकों की बुनियादी मानवीय आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त सहायता नहीं होती है। यहां स्वास्थ्य सेवा, वित्तीय सहायता, रहने के लिए अच्छे स्थान, सुरक्षा उपाय या बच्चों की देखभाल की सुविधाएं नहीं हैं। इससे प्रवासी श्रमिकों को सब कुछ खुद ही संभालना पड़ता है। शहरी क्षेत्रों में प्रवासी श्रमिकों के बच्चों की दुर्दशा विशेष रूप से चिंताजनक है। शिशुओं को बड़े बच्चों की देखभाल में छोड़ दिया जाता है, जिनके पास स्वयं सार्थक शैक्षिक गतिविधियों तक पहुंच नहीं होती। इससे असुविधा का एक चक्र निर्मित होता है, जहां शिक्षा के अवसरों की कमी उनके माता-पिता द्वारा सामना की जाने वाली कठिनाइयों से मुक्त होने की उनकी क्षमता में बाधा डालती है। प्रवासी श्रमिकों के लिए, एक टूटा हुआ अंग अक्सर कामकाजी जीवन के अंत का संकेत देता है। कार्यस्थल पर लगी चोटों के लिए शायद ही कभी पर्याप्त सहायता या चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हो पाती हैं।

दृष्टि कोण

पहली प्राथमिकता है आर्थिक चुनौतियों का हल

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने गत दिनों एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने मंत्रिमंडल के साथियों सहित बिजली सब्सिडी छोडने का ऐलान करते हुए प्रदेश के साधन संपन्न लोगों से भी बिजली सब्सिडी छोडने की अपील की है। अपील के प्रत्युत्तर में हिमाचल प्रदेश में बीते 12 दिनों के दौरान 387 उपभोक्ताओं ने बिजली सब्सिडी छोड़ दी है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के आग्रह पर 279 कर्मचारियों, 42 पेंशनरों और 66 आम लोगों ने सस्ती बिजली का विकल्प छोड़ दिया है। सीएम सुखविंदर सिंह का दावा है कि अगर प्रदेश के सभी संपन्न लोग सब्सिडी छोड़ेंगे तो बिजली बोर्ड को सालाना 200 करोड़ की बचत होगी और घाटे में चल रहे बिजली बोर्ड को राहत मिलेगी। ऐसा माना जा रहा है कि यह कदम राज्य की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने और बिजली क्षेत्र में सुधार लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास होगा, वहीं इससे राज्य के वित्तीय बोझ को कम करने में भी मदद मिलेगी। हाल फिलहाल हिमाचल प्रदेश की सरकार के लिए कर्ज का मर्ज जी का जंजाल बना हुआ है। राज्य की सीमित आय और ऊपर से केंद्र द्वारा थोपी गईं बंदिशें सरकार को कल्याणकारी फैसले लेने से पीछे हटने को मजबूर कर रही हैं। जब आप सत्ता से बाहर होते हैं तो राज्य के आर्थिक हालात से वाकिफ नहीं होते हैं और अपने विरोधी दल को मात देने के चक्कर में कुछ ऐसे भी वायदे कर बैठते हैं जिनको बाद में अमलीजामा पहनाने में पसीने छूट जाते हैं। इतने बड़े विशाल दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्य में तो यह और भी मुश्किल हो जाता है जब राज्य की आर्थिकी पिछले कुछ दशकों में उठाए गए ॠणों के बोझ तले कराह रही हो। आज की तारीख में सरकार के बजट का बड़ा हिस्सा कर्ज की देनदारियां चुकाने और कर्मचारियों के वेतन व पैंशन पर खर्च हो रहा है। लिहाजा विकास कार्यों के लिए सरकार के पास मामूली बजट बच रहा है। पिछले तीन दशकों से चली आ रही प्रत्येक सरकार ने चाहे वह कांग्रेस की रही हो अथवा भाजपा की, सरकार ने चार्वाक ॠषि के भौतिकवादी दर्शन को दर्शाने वाले इस श्लोक को चरितार्थ करते हुए कि, 'यावत्जीवेत्सुखं जीवेत्, ॠणं कृत्वा घृतं पिबेत्' अर्थात् जब तक जीवन है, तब तक सुखपूर्वक जीना चाहिए, चाहे इसके लिए ॠण लेकर भी घी क्यों न पीना पड़े, की उक्ति पर चलते हुए जमकर ॠण लिए और अब हिमाचल प्रदेश पर कर्ज का बोझ बढक़र लगभग 94 हजार करोड़ तक पहुंच गया है। इसके मूल और ब्याज पर ही अब प्रदेश का लगभग 20 फीसदी से ज्यादा बजट व्यय हो रहा है। राज्य सरकार की सालाना कमाई अधिकतम सोलह हजार करोड़ रुपए है और खर्च 27 हजार करोड़ रुपए सालाना है। इतना ही नहीं राज्य सरकार को अभी कर्मचारियों को देय 81 महीनों के महंगाई भत्ते का पेंडिंग एरियर को चुकता करना है जबकि वेतन आयोग का एरियर्स अलग से देने की चुनौती बनी हुई है। आज भारत सरकार सहित भारत के लगभग सभी राज्य कर्ज लेकर अपनी गाडियां हांक रहे हैं। आज भले ही हिमाचल प्रदेश में कर्ज को लेकर पक्ष और विपक्ष में आरोप प्रत्यारोप की जंग छिड़ी हुई है, लेकिन दोषी कमोबेश दोनों ही हैं। वर्तमान सुक्खू सरकार ने 15 दिसंबर 2022 से लेकर 31 जुलाई 2024 तक कुल 21366 करोड़ रुपए का लोन यानी कर्ज लिया है, जबकि इसी सरकार ने इस अवधि में 5864 करोड़ रुपए का कर्ज वापस भी किया है। इस तरह कुल शुद्ध कर्ज का आंकड़ा 15502 करोड़ रुपए बनता है। सरकार ने जीपीएफ के अगेंस्ट पहली जनवरी 2023 से 31 जुलाई 2024 तक 2810 करोड़ रुपए का लोन लिया है। आर्थिक तंगी से जूझ रही हिमाचल प्रदेश की सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार को अपना खजाना भरने के लिए कठोर वित्तीय फैसले लेने होंगे। इसके लिए सरकार ने कुछ कड़े फैसले लिए भी हैं, जैसे उसने 125 यूनिट मुफ्त बिजली योजना में बदलाव कर साधन संपन्न लोगों को इसके दायरे से बाहर कर दिया है। इसके अलावा होटल कारोबारियों को कमर्शियल मीटर पर दी गई सब्सिडी को भी खत्म कर दिया गया है। गांवों में अब गरीबों, एकल महिलाओं, विधवाओं और दिव्यांगों को छोडक़र अन्य लोगों को मुफ्त पेयजल सुविधा नहीं मिलेगी। प्रति घरेलू पेयजल कनेक्शन पर 100 रुपए मासिक और व्यावसायिक पेयजल क्नेक्शन पर 100 रुपए मासिक के साथ मीटर रीडिंग के आधार पर पानी के बिल आएंगे। इससे सरकार को जल शक्ति विभाग को बिजली बोर्ड की करीब 800 करोड़ रुपए की अदायगी करने में मदद मिलेगी। नई आबकारी नीति लागू होने से शराब के ठेकों की हर साल नीलामी से सरकार को 600 करोड़ की आय होगी। शिक्षा विभाग में शून्य पंजीकरण वाले 99 स्कूलों और दो से पांच संख्या विद्यार्थियों वाले 460 स्कूलों को बंद कर राजस्व बचाने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। कर्मचारियों के स्टडी लीव पर जाने पर वेतन का 40 फीसदी देने के फैसले से भी करोड़ों का खर्चा बचेगा। सरकार ने हिमकेयर योजना से निजी अस्पतालों को बाहर कर दिया है। इससे सरकार को निजी अस्पतालों को भारी भरकम राशि नहीं देनी पड़ेगी। 2014 में तत्कालीन मंत्री विद्या स्टोक्स की अध्यक्षता में बनी रिसोर्स मोबेलाइजेशन एंड इकोनामी कमेटी की सिफारिशों पर कोई अमल नहीं हुआ है। सरकार को नए भवनों के निर्माण को स्थगित करते हुए शहरी क्षेत्रों के 2-3 सरकारी स्कूलों का आपस में विलय कर देना चाहिए। सरकार को लोकलुभावन घोषणाओं एवं फिजूलखर्ची से बचते हुए कड़े फैसले लेने होंगे, तभी हिमाचल की आर्थिक स्थिति पटरी पर आ पाएगी।

कुछ अलग

बिगड़े गणित का मिजाज

वह हमें समझा रहे थे कि इन दिनों पड़ रही भयंकर सर्दी पिछले वर्षों की सर्दी से अलग नहीं है। क्या हुआ जो तापमान कुछ ज्यादा नीचे चला गया? कुछ अधिक लोग सर्दी से ठिठुर कर फुटपाथों से लेकर अपनी टूटी हुई झुग्गी-झोंपडियों में मर गए? अब सर्दी पड़ेगी तो बिना छतों के मकानों में लोग कांप कर मरेंगे ही। बिल्कुल उसी तरह सडक़ों पर इस सर्दी का उपहार धुंध और कोहरा बढ़ेगा, तो परिवहन निलंबित होगा ही, गाडियां एक-दूसरे से टकराएंगी ही। आहत लोगों की चीखो-पुकार सुनने की तो इस देश के लोगों को आदत हो गई है। आप क्यों नहीं उन डाक्टरों के बारे में सोचते कि जिनके अस्पतालों में आजकल तिल धरने की जगह नहीं। वे खुश हैं। लोग हांफ कर कहते हैं, 'भई सूखी सर्दी पड़ रही है। तबीयत बिगड़ती है तो बिगड़ती ही चली जाती है। पुरानी दवाएं कारगर नहीं होती। लेकिन इसी से अनुसंधानकर्ताओं को नई दवाओं की खोज करने की प्रेरणा बन रही है। भारत चिकित्सा विज्ञान में कुछ कदम आगे बढ़ रहा है। जो दवाओं का खर्च वहन नहीं कर सकते, उन्हें कपालभाति करने के संदेश मिलने लगे हैं। 'योग अपनाओ, पुनर्जीवन पाओ', पड़ोसी बूढ़ों ने हमें बताया है। इसी मौसम में बच्चन की मधुशाला से मधुबाला तक की याद आती है। उमर खय्याम की रुबाइयां हमें लुभाने लगती हैं। सुना है, अगले वर्ष के बजट में मदिरा सस्ती और बिजली महंगी होने वाली है। हम घुप्प अंधेरे में मदिरालय को अपना द्वार खटखटाता देखने की आजकल कल्पना करते हैं। हमारे नशा माफिया डॉन जीते रहें। इन्हें आजकल सर्दी से संत्रस्त माहौल में नशों के समुद्र की बड़ी मछलियां कहकर पुकारा जाता है। इन पर कोई हाथ नहीं डाल सकता। नशा तस्करों की भी बन आई है। सरकारी कारिंदे इन्हें आतंकवाद का एक नया रूप बताते हैं, लेकिन इनसे पूछो तो वे कहेंगे, 'अरे हम तो मौसम के अनुसार बदलते हैं। सर्दी में आपकी ठिठुरन घटाते हैं, और गर्मियों में नौकरी न मिलने या कोई भी सपना पूरा न होने का अवसाद घटाते हैं। हम आतंकी कहां, आपकी ही तो मेहर है कि ढीली-ढाली एक्साइज पॉलिसी और भ्रष्ट प्रशासन हमें अपना काम करते रहने की सुविधा देता रहता है।' अब आपने इस अवैध और राष्ट्रद्रोही कारोबार में लिप्त नशा तस्करों को कानून के शिकंजे में लेने के नाम पर नालियों में गिरे पड़े नशेड़ी पकड़ लिए, लेकिन माफिया सरगना तो राजनीति की शरण में चले गए। आपको पता ही है कि आरोपित तब तक अपराधी नहीं जब तक उसे दंड न मिल जाए। दंड तो फिलहाल तारीख पर तारीख के मकडज़ाल में फंसा है, इसलिए आरोपितों को राजनीति के मसीहा और आम जनता के लिए सपनों का मायाजाल रचने की कोई मनाही नहीं। आइए, इनकी जय-जय कहें। हमारे सपने कभी टूटते नहीं। एक खंडित सपने की नींव पर दूसरा सपना खड़ा कर दिया जाता। 'अच्छे दिन आएंगे' की बात कभी सुनते थे, वे नहीं आए, तो अब पांच वर्ष में देश की सकल घरेलू आय को दुगना, और देश की तरक्की की दौड़ में सबसे आगे हो जाने या चीन और अमरीका को पछाड़ देने का सपना देख रहे हैं। इसी तरह जब आलोचना बढ़ी कि आपने नशा माफिया का गढ़ तोडऩे की जगह नशेड़ी अंदर कर दिए, तो उनके लिए नशामुक्ति केन्द्र खोलने का अभियान चल निकला। भई नशेड़ी तो नशेड़ी हैं। इन केन्द्रों में गए तो नशा छुड़ाने वाली गोलियों को ही मुक्ति प्रसंग मानकर उनके लिए मारपीट करने या उनका कालाबाजार करने लगे। अब सुना है, यहां नशा छुड़ाने वाली गोलियों का बाजार भी मंदा और सस्ता हो गया है, इसलिए आइए, इस घुप्प अंधेरे में भटकते हुए आम आदमी के लिए सपनों का कोई नया बाजार सजाएं।

देश दुनीया से

सबसे पहले तन की सेवा

हम सब जानते हैं कि हम प्रचार के युग में जी रहे हैं, मार्केटिंग के युग में जी रहे हैं। दरअसल, हम झूठे प्रचार के युग में जी रहे हैं। हम शोरगुल भरे मनोरंजन के ऐसे युग में जी रहे हैं जहां सुविधा को खुशी मान लिया गया है। इससे हमारा जीवन दूषित हो गया है और हमारा स्वास्थ्य इस हद तक खतरे में है कि पैदा होने वाले हर नए बच्चे में से 90 प्रतिशत बच्चे पैदाइशी बीमार होते हैं। आज हम युवाओं के देश के रूप में जाने जाते हैं, तो आने वाले दस वर्षों के बाद हम बीमार युवाओं के देश के रूप में पहचाने जाएंगे। आज भी 90 प्रतिशत वयस्क, प्रौढ़ और बुजुर्ग किसी न किसी रोग से ग्रस्त हैं और या तो लगातार दवाई ले रहे हैं या उन्हें पता ही नहीं है कि उनके शरीर में कोई रोग चुपचाप बढ़ता जा रहा है। पैकेज्ड फूड में सुविधा तो है ही, इसके एक खास हिस्से को 'हैल्दी फूड', यानी सेहतमंद भोजन के रूप में पेश किया जा रहा है और शहरी आबादी का बड़ा हिस्सा इसकी लपेट में है। यह भोजन, भोजन नहीं है, जहर है, इसे स्वास्थ्यकर कहना तो अपराध ही है। आधुनिक जीवन का शैदाई उच्च वर्ग और शहरी युवा, आउटिंग के नाम पर, या स्वाद और बदलाव के नाम पर अक्सर होटल या रेस्टोरेंट में खाना खाते हैं। होटल व्यवसाय में कमरों के किराये से उतनी आमदनी नहीं होती जितनी कि होटल में ठहरने वालों को भोजन खिलाकर होती है। होटल या रेस्टोरेंट में जो खाना आपको सर्व होता है, उसमें साफ-सफाई का तो ध्यान रखा जाता है, लेकिन वह स्वास्थ्यकर है या नहीं, इससे होटल वालों को कोई मतलब नहीं है। सलाद को भूनकर, पकाकर या फ्राई करके सर्व करने का रिवाज पिछले कुछ सालों में ही शुरू हुआ है, यह बिल्कुल भी स्वास्थ्यकर नहीं है। इसी तरह 'हनी चिली कौलिफ्लावर' या 'हनी पटैटो' जैसे स्नैक जिनमें शहद है और उन्हें किसी भी रूप में पकाया गया है, वो स्वादिष्ट तो हैं, पर स्वास्थ्यकर नहीं हैं। भोजन में एक साथ रोटी और चावल दोनों खाना स्वास्थ्यकर नहीं है। खुद ही सोचिए कि कौनसा होटल-रेस्टोरेंट वाला आपको ये बताएगा? बुरी बात यह है कि खुद शैफ भी इस सच से वाकिफ नहीं हैं। इससे भी ज्यादा दुख की बात और क्या होगी कि होटल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट्स के अध्यापक तक यह समझने की कोशिश नहीं करते कि भोजन में किस-किस खाद्य पदार्थ को एक साथ खाना हानिकारक हो सकता है। अज्ञान की पराकाष्ठा इस हद तक है कि हम खाना खाते नहीं हैं, निगलते हैं। नियम यह है कि हर कौर को इतना चबाया जाए कि वह पानी-सरीखा हो जाए। अक्सर हम इस भुलावे में रहते हैं कि हमने चबा लिया, लेकिन कभी आप बारीकी से देखेंगे तो पाएंगे कि लगभग दस सैकेंड तक चबाने के बाद हम चपाती का कौर निगल लेते हैं, जबकि एक कौर को पूरा चबाने के लिए 35 से 45 सैकेंड का समय आवश्यक होता है। चावल को तो हम अक्सर 5-6 सैकेंड में ही निगल लेते हैं। भोजन पूरा न चबाया जाए तो वह पचता नहीं है और उसका बहुत सा हिस्सा हमारे शरीर में ही रह जाता है जो सड़ता रहता है और कई बीमारियों का कारण बनता है। अक्सर हमें मालूम ही नहीं होता कि अपनी लापरवाही के कारण हम अपने शरीर को कूड़ाघर बना रहे हैं। ऐसे माता-पिता के बच्चे जन्म से ही किसी न किसी बीमारी के बीज लेकर पैदा होते हैं। सेहत को लेकर हम एक और भुलावे में हैं कि अगर हम स्वास्थ्यकर भोजन खाएं और नियमित व्यायाम करें तो हमारी सेहत ठीक रहेगी। अच्छी सेहत के लिए स्वास्थ्यकर भोजन और नियमित व्यायाम तो आवश्यक है ही, लेकिन साथ ही अच्छी नींद, अच्छे रिश्ते और अच्छी सोच भी आवश्यक है। नींद पूरी न हो पाए तो धीरे-धीरे हम ऊर्जा खोते चले जाते हैं। हमारे आपसी रिश्तों में कड़वाहट हो या जीवन में अच्छे दोस्त न हों तो हम खुश नहीं रह सकते। रिश्तों की कमजोरी हमारी खिसियाहट का कारण बनती है जो अंततः सेहत के लिए नुकसानदायक है। सबसे बढक़र हमारी सोच हमें प्रभावित करती है। हमारा हर विचार एक नई किस्म की वाइब्रेशन पैदा करता है जो हमारे दिल और दिमाग को प्रभावित करता है। हमें मालूम भी नहीं होता कि हमारे दिलो-दिमाग में भरी हुई शिकायतें, नफरत, गुस्सा, गिला, पछतावा जैसी भावनाएं हमारे अवचेतन मन में गहरे पैठ गई हैं तो वो किसी न किसी शारीरिक रोग के रूप में उभर कर आएंगी। हमारी अधिकांश शारीरिक बीमारियों का कारण हमारी मानसिक व्याधियां हैं, लेकिन अपनी अज्ञानता के कारण हम इन भावनाओं के नुकसान को नहीं समझते और लापरवाही का जीवन जीते हैं जो आखिरकार किसी गंभीर बीमारी का कारण बन जाता है। थोड़ा सा भी बुखार हो तो हम दवाई खा लेते हैं। साधारण बुखार कोई बीमारी नहीं है बल्कि यह एक संदेश है कि शरीर में गंदगी जमा है, सड़ रही है, उसे बाहर निकालने की जरूरत है, लेकिन हम दवाई लेकर संदेश को दबा देते हैं, बुखार दब जाता है, लेकिन गंदगी अंदर ही रहने के कारण बीमारी चुपचाप बढ़ती रहती है। शूगर, बीपी जैसी बीमारियों में हम अपने लाइफस्टाइल को सुधारने के बजाय रोज एक गोली खाना ज्यादा पसंद करते हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि हर दवाई का कोई न कोई साइड इफैक्ट होता है और यह दवाई ही एक नई बीमारी का कारण बन रही है, जो अगले 10-15 साल के बाद और भी खतरनाक रूप में उभरेगी। आपको शायद जानकर आश्चर्य होगा कि लगभग सभी धर्मों में संन्यासियों तक को अपने शरीर का ध्यान रखने की हिदायत दी जाती है। दूर क्यों जाएं, खुद हमारे देश में ही योग की परंपरा है जो हमारे शरीर के आंतरिक अंगों तक को चुस्त और सेहतमंद बनाता है। सहज संन्यास मिशन में तो पहला मंत्र ही 'तन की सेवा' है। हमारे लिए यह भी समझना आवश्यक है कि अच्छी सेहत के लिए जरूरी है कि जैसे हम शारीरिक बीमारियों के लिए ब्लड टैस्ट और चेकअप करवाते हैं, वैसे ही मानसिक व्याधियों से बचने के लिए स्पिरिचुअल हीलिंग से दिल और दिमाग की सफाई भी करवाते रहें। स्पिरिचुअल हीलिंग हमें अच्छी नींद लेने, खुश रहने और रिश्ते मजबूत बनाने में सहायक होती है।

आप का नजरीया

बस रूटों की छंटाई

अंततः मानना पड़ रहा है कि एचआरटीसी के बहुत सारे रूट खामख्वाह हैं या परिवहन की सरकारी सेवाओं ने सियासत को ढो-ढो कर अपनी वित्तीय कमर टेढ़ी कर ली है। घाटे पर घाटा उठा रही सरकारी बसों की संख्या भले ही 3180 है या 31 बस डिपो के मार्फत इनका संचालन हो रहा है, लेकिन उम्मीदों का परिवहन अन्य विकल्प चुन रहा है। ऐसे में घाटे के रूटों में से 275 अगर निजी आपरेटरों को थमाए जा रहे हैं, तो यह तसदीक होता है कि सरकारी उपक्रम एक सीमा तक ही अपना दायित्व ओढ़ सकते हैं। जाहिर है अभी रूट परमिट की कतरब्योंत हो रही है, लेकिन यही प्रक्रिया ढांचे तक अगर छंटाई करे, तो अनावश्यक खर्चों से बचा जा सकता है। परिवहन निगम की बसों, बस डिपो और बस स्टैंड्स की शुमारी में संपत्ति का गुणात्मक पक्ष सुदृढ़ करना होगा। यानी बसों व बस डिपो की मात्रात्मक शक्ति को संपदा के सदुपयोग में लाभकारी बनाना होगा। बेशक लंबे रूटों पर बसों की क्लबिंग से यात्री संख्या पर असर हो सकता है, लेकिन इससे पूर्व कई तरह से ढांचागत छंटाई होनी चाहिए। हिमाचल परिवहन के वर्तमान में संभावनाओं की कमी नहीं, वरना शिमला, मनाली व धर्मशाला से निजी वोल्वो बसों की संख्या निरंतरता के साथ नहीं बढ़ती। यह सेवा क्षेत्र की चुनौती है जिसे निजी क्षेत्र बाखूबी समझता व अनुपालन करता है। मजबूरी में तो कोई भी बस रूट सफल हो सकता है, लेकिन किसी बस को सफलता से चलाने के लिए उसके हालात और संचालन पर गौर करना होगा। देखा यह जा रहा है कि लीज या एचआरटीसी की अपनी बसों की हालत ऐसी नहीं है कि सवारियां लंबे रूट की यात्रा पर इन्हें पसंद करें। इसके मुकाबले निजी वोल्वो बसों ने खुद को प्राथमिक बनाया है तो इसलिए क्योंकि वहां यात्री को यह अनुभव कराया जाता है कि उनकी वजह से उक्त बस सेवा चलाई जा रही है। एचआरटीसी बस और बस परमिट की वजह उस हरी झंडी में दिखाई देती रही, जो किसी विधायक की आरजू में पुष्प गुच्छ दे गई। ऐसे में सर्वप्रथम सरकारी बसों को निजी मुकाबले में खड़ा करना होगा। दूसरे हर सूरत वर्तमान बस डिपो की संख्या या तो आधी कर देनी चाहिए या इनकी क्षमता व प्रासंगिकता का मूल्यांकन करना होगा। ये नए बस डिपो अपने अस्तित्व की छीनाझपटी में पहले से स्थापित बस डिपो के रूटों पर डाका डाल रहे हैं। एक समय था जब बैजनाथ, मंडी, शिमला, परवाणू, पठानकोट, ऊना, कुल्लू, नाहन व बिलासपुर जैसे बस डिपो के सहारे ही लंबे रूट चलते थे, लेकिन अब हर विधानसभा हलके की यही दरकार है। एचआरटीसी के कुशल संचालन के लिए लंबे रूट की बसों को पर्यटक बसों के नजरिए से चलाना होगा। सीटीयू, हरियाणा रोडवेज तथा राजस्थान परिवहन ने ऐसे अनेक प्रयास किए हैं। हिमाचल का एक नाता सडक़ परिवहन से रहेगा और इस अनिवार्यता में एचआरटीसी की सार्वजनिक भूमिका सिद्ध हुई है, लेकिन अब यात्रा बदलती जीवन शैली की जरूरत है। एचआरटीसी अपने बस अड्डों को अगर आधुनिक मॉल के रूप में विकसित करे, तो पर्यटन और बाजार के कई स्वरूप सामने आएंगे। यह निजी निवेश की संभावनाओं में तय हो तो पूरे प्रदेश में छोटे-बड़े पचास से सौ बस अड्डों को आधुनिक शॉपिंग मॉल एवं मनोरंजन स्थलों में परिवर्तित कर सकता है।

शंभू बार्डर से 21 जनवरी को दिल्ली कूच करेंगे किसान

केंद्र से नहीं करेंगे कोई वार्ता, आंदोलन होगा तेज

चंडीगढ़ (हिंस)। एक तरफ खनौरी बॉर्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का आमरण अनशन चल रहा है, वहीं दूसरी ओर शंभू बार्डर से किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने 21 जनवरी को दिल्ली कूच का ऐलान कर दिया है। किसान नेता सरवण पंधेर ने कहा कि इसमें 101 किसान शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अभी तक वार्ता का मन नहीं बना रही है, इसलिए आंदोलन को और तेज करेंगे। शंभू बार्डर पर गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने चेतावनी भी दी कि उनके नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री रहते ही देश में एमएसपी पर फसल खरीद की गारंटी का कानून आएगा। किसानों की सभी मांगें देश हित में हैं और उन्हें लागू कराया जाएगा। पंधेर ने कहा कि इससे पहले भी दिसंबर महीने में 3 बार दिल्ली कूच की कोशिश कर चुके हैं। किसान 6 दिसंबर, 8 दिसंबर और 14 दिसंबर 2024 को दिल्ली की ओर रवाना हुए थे लेकिन तीनों बार हरियाणा पुलिस ने उन्हें बैरिकेड पर ही रोक लिया था। पंधेर ने 5 जनवरी 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिरोजपुर दौरे के दौरान हुई सुरक्षा चूक के मुद्दे को उठाते हुए कहा कि 2022 की घटना में अब पंजाब सरकार ने केंद्र के दबाव में आकर 25 के करीब किसानों के खिलाफ समन भेज दिए हैं। इसमें अब हत्या की कोशिश का मामला भी जोड़ दिया गया है। हम इसका विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि 5 जनवरी 2022 को प्रधानमंत्री बॉय एयर आ रहे थे, लेकिन अचानक उनका रूट बदल दिया गया। वे सड़क मार्ग से आए और उनका काफिला 15-20 मिनट के लिए रुक गया था। एक भी किसान ने पीएम की तरफ फूल तक नहीं मारा था। तत्कालीन मुख्यमंत्री चरणजीत चन्नी की अगुआई वाली कांग्रेस सरकार ने साफ किया था कि किसानों का मकसद उन्हें नुकसान पहुंचाना नहीं था। इसके बावजूद अब 3 साल के बाद किसानों पर दोबारा से कार्रवाई निंदनीय है।

जय श्री राम का नारा लगाने पर मिशनरी स्कूल के प्रिंसिपल ने 10वीं के छात्र को परीक्षा से किया बाहर

मामले की जानकारी मिलने पर विद्यार्थी परिषद ने किया हंगामा

चित्रकूट (हिंस)। नगर के सेंट थॉमस स्कूल कर्वी के प्रिंसिपल ने कार्यक्रम के दौरान श्रीराम के नारे लगाने वाले कक्षा 10वीं के छात्र को स्कूल की प्री बोर्ड परीक्षा में बैठने से मना कर दिया है। इसके बाद अखिल भारती विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने स्कूल के अंदर ही जय श्रीराम के नारे लगाते हुए जमकर हंगामा काटा। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद ही छात्र को परीक्षा में बैठने दिया गया। मामला शहर कोतवाली क्षेत्र के सेंट थॉमस सीनियर सेकेंडरी स्कूल में क्रिसमस डे के दिन है, जब स्कूल प्रशासन सेलिब्रेसन मना रहा था तभी स्कूल में पढ़ने वाले कक्षा 10वीं के छात्र हर्ष पांडेय ने अपने तीन अन्य सहपाठियों के साथ मिलकर जय श्रीराम के नारे लगाए थे। इस पर एलिश नाम के एक टीचर ने उन्हें जय श्रीराम

के नारे लगाने से मना किया और डाटते हुए फादर डेनिस के पास ले गए थे। फादर ने तीनों बच्चों के परिजनों को स्कूल में तलब किया था। बताया गया कि हर्ष पांडेय के अभिवाक बुलाने के बाद भी नहीं आये तो जब आज हर्ष पांडेय स्कूल में आयोजित प्री बोर्ड परीक्षा को देने के लिए पंहुचा तो स्कूल के फादर डेनिस ने बच्चे को क्लास रूम से बाहर निकाल दिया और बच्चे को अपने पिता को बुलाने के लिए कहा। इस पर एक घंटे तक बच्चे को परीक्षा नहीं देने दिया गया, जिसके बाद बच्चे के पिता जब स्कूल पहुंचे और डायल 112 नंबर की पुलिस को मौके पर बुलाया गया, तो फिर पुलिस की दखल के बाद स्कूल प्रशासन ने बच्चे को परीक्षा पर बैठने दिया। जब यह खबर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं को लगी तो परिषद के कार्यकर्ताओं ने भी स्कूल के अंदर घुसकर जय श्री राम के नारे लगाते हुए जमकर हंगामा काटा। साथ ही स्कूल के फादर से जय श्रीराम के नारे का विरोध करने पर सवाल जवाब किया। इस पर स्कूल के फादर ने गलती स्वीकार करते हुए ऐसी घटना की दोबारा पुनरावृति न होने का आश्वासन दिया। इसके बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता स्कूल प्रशासन को चेतावनी देते हुए वहां से चले आए।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने परीक्षा कार्यक्रम किया जारी

जयपुर (हिंस)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने सेकेंडरी और सीनियर सेकेंडरी परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। ये परीक्षाएं 6 मार्च से शुरू होकर क्रमश: 1 अप्रैल और 5 अप्रैल तक चलेंगी। बोर्ड सचिव कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया कि परीक्षा में सुरक्षा और गोपनीयता का पूरा ध्यान रखा जाएगा और इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। सेकेंडरी परीक्षाओं में 6 मार्च को अंग्रेजी, 12 मार्च को हिंदी, 17 मार्च को सामाजिक विज्ञान, 21 मार्च को विज्ञान, 26 मार्च को गणित और 1 अप्रैल को तृतीय भाषा के प्रश्नपत्र होंगे। सीनियर सेकेंडरी परीक्षाओं के लिए 6 मार्च को मनोविज्ञान, 8 मार्च को भूगोल, लेखाशास्त्र और भौतिक विज्ञान, 10 मार्च को अंग्रेजी अनिवार्य, 18 मार्च को अर्थशास्त्र और जीव विज्ञान, 29 मार्च को गणित तथा 5 अप्रैल को हिंदी साहित्य और अन्य भाषाओं की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी।

मध्याह्न भोजन में मिली छिपकली, मचा हड़कंप

नवादा (हिंस)। नवादा जिले के पकरीबरावां प्रखंड के राजकीयकृत मध्य विद्यालय डुमरावां में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब विद्यालय के मध्याह्न भोजन में मरी छिपकली मिली। भोजन खाने से कुछ बच्चों को चक्कर आना शुरू हुआ, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि भोजन परोसते समय रसोइया को दाल में छिपकली मरा मिला। तब तक कुछ बच्चे भोजन खाना शुरू कर चुके थे। जैसे ही छिपकली मिलने की जानकारी मिली बच्चों में हड़कंप मच गया। कुछ बच्चे भय से कांपने लगे। कुछ बच्चों को चक्कर एवं उल्टी महसूस होने लगा। भोजन खाने से तीन बच्चों की तबियत ज्यादा बिगड़ गई, जिसे इलाज के लिए ले जाया गया। एक छात्रा अर्पिता कु मारी का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य कें द्र पकरीबरावां में चल रहा है। घटना की सूचना मिलने पर बच्चों के अभिभावक विद्यालय पहुंचें। अभिभावकों ने विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताई। इसकी सूचना पकरीबरावां पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच की।

एमबीबीएस घोटाले का खुलासा करने वाले छात्र को खतरा, पुलिस ने की सुरक्षा की समीक्षा

रोहतक (हिंस)। पंडित बीडी शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (यूएचएसआर) में एमबीबीएस परीक्षा घोटाले को उजागर करने वाले छात्र पर हमले की आशंका है। ऐसी सूचना मिलने के बाद पुलिस सतर्क हो गई है और उसे सुरक्षा मुहैया कराने की तैयारी कर रही है। शिकायत करने वाले छात्र को कुछ पुलिसकर्मियों के फोन नंबर दिए गए हैं, जिनसे वह किसी भी तरह के खतरे या यात्रा के दौरान संपर्क कर सकता है। इधर, राज्य अपराध जांच शाखा (सीआईडी) के सक्रिय होने के बाद जिला प्रशासन ने यूएचएसआर को अपनी जांच में तेजी लाने और मामले पर त्वरित कार्रवाई के लिए जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने को कहा है। इस घोटाले की जांच कर रही एजेंसियों के सूत्रों ने बताया कि पुलिस मुख्य आरोपी की पृष्ठभूमि खंगाल रही है। इस मामले में विश्वविद्यालय के दो कर्मचारी रोशन लाल और रोहित को पहले ही निलंबित किया जा चुका है, जबकि आउटसोर्स पर तैनात तीन कर्मचारियों दीपक, इंदु और रितु की सेवाएं जांच लंबित रहने तक समाप्त कर दी गई हैं। डीसी धीरेंद्र खड़टा और पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारनिया ने कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल समेत विश्वविद्यालय के अधिकारियों से लघु सचिवालय में मुलाकात की और जांच से जुड़ी जानकारी पर चर्चा की। एमबीबीएस परीक्षा घोटाले की जांच क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) करेगा। सीआईडी हेडक्वार्टर ने इस बारे में अपने रोहतक ऑफिस से अभी तक के इनपुट की रिपोर्ट तलब कर ली है।इसके अलावा, परीक्षा घोटाले में शामिल 3 प्राइवेट कॉलेजों के एमबीबीएस-एमडी परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्र बदलने का फैसला लिया गया है। यूनिवर्सिटी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक इन प्राइवेट कॉलेजों के प्रोफेसर परीक्षा के दौरान ऑब्जर्वर का भी काम करते थे। जिससे परीक्षा में गड़बड़ी की संभावना बढ़ जाती हैं। पीड़ित छात्र ने बताया कि पेपर पास करने के लिए एक स्पेशल पेन का इस्तेमाल किया जाता था। पेन की स्याही लिखने के बाद सूख जाती है। जिन स्टूडेंट की डील होती थी, वह उस पेन से पेपर लिखते थे। इसके बाद उत्तर पुस्तिकाओं को सेंटर से बाहर भेजा जाता था। वहां हेयर ड्रायर की मदद से उत्तर पुस्तिकाओं से स्याही मिटाई जाती है। इसके बाद उत्तर पुस्तिकाओं पर सही जवाब लिखकर उन्हें दोबारा सेंटर पर भेजा जाता है। एमबीबीएस एग्जाम घोटाले में अब तक की जांच में पता चला है कि ये कर्मचारी एमबीबीएस के अलावा एनईईटी-यूजी और फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जाम में भी स्टूडेंट्स से पैसा लेकर मदद करते थे। इस एग्जाम घोटाले के लिए कर्मचारी स्टूडेंट्स से कैश के अलावा ऑनलाइन बैंकिंग से भी पैसे लेते थे। इसके सबूत भी मिले हैं। दो कर्मचारियों ने स्टूडेंट्स से दो अलग-अलग मामलों में ऑनलाइन पैसा अपने खातों में जमा कराया है। मामले की जांच के लिए तीन मेंबरी कमेटी गठित की गई है। करनाल के कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज के निदेशक डॉ एमके गर्ग के नेतृत्व में समिति कल (17 जनवरी) को अपनी जांच शुरू करेगी। सूत्रों ने बताया कि सभी आरोपियों को अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया जाएगा। इस घोटाले में परीक्षा के बाद विश्वविद्यालय से उत्तर पुस्तिकाएं चुराना शामिल था। छात्रों ने मूल सामग्री को मिटाने के बाद कथित तौर पर अपने उत्तर फिर से लिखे। उन्होंने लिखने के लिए मिटाने योग्य स्याही-पेन का इस्तेमाल किया और बाद में हेयर ड्रायर का उपयोग करके सामग्री को मिटा दिया गया।

एसजीपीसी की मांग, पंजाब में कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी करें बैन

चंडीगढ़ (हिंस)। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने फिल्म अभिनेत्री एवं सांसद कंगना रनौत के विरुद्ध मोर्चा खोलते हुए उनकी फिल्म इमरजेंसी को पंजाब में बैन करने की मांग की है। एसजीपीसी प्रधान हरजिंद्र सिंह धामी ने गुरुवार को इस संबंध में पंजाब के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर हस्तक्षेप करने की मांग की है। कंगना रनौत की फिल्म 17 जनवरी को रिलीज हो रही है। एसजीपीसी प्रधान हरजिंदर सिंह धामी ने सीएम को भेजे पत्र में कहा कि इस फिल्म के माध्यम से सिखों को बदनाम किया जा रहा है। यह फिल्म पंजाब में नहीं चलने दी जाएगी। इस फिल्म में वर्ष 1984 के दौरान दरबार साहिब पर हुए हमले व सिख कत्लेआम को गलत तरीके से दिखाया गया है। फिल्म में सिखों के राष्ट्रीय शहीद जरनैल सिंह भिंडरावाला का किरदार भी गलत तरीके से पेश किया गया है। इस फिल्म को पंजाब में रिलीज होने से तुरंत प्रभाव से रोका जाए। धामी के निर्देश पर आज एसजीपीसी के प्रतिनिधियों ने सभी जिला उपायुक्त को इस संबंध में ज्ञापन दिए हैं।

राहुल गांधी के बयान पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का पलटवार

जयपुर (हिंस)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के एक बयान को गैर-जिम्मेदाराना बताते हुए तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता की शपथ ली है, लेकिन उनके हालिया बयान से यह स्पष्ट होता है कि उनकी निष्ठा भारत के प्रति नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की गतिविधियां और बयान राष्ट्रहित में नहीं हैं और उनके बयान से ऐसा प्रतीत होता है जैसे उनकी प्राथमिकताएं भारत के बजाय इटली की ओर झुकी हुई हैं। मदन राठौड़ ने कहा कि

राहुल गांधी के *इंडियन स्टेट से संघर्ष* जैसे बयान का क्या मतलब है? इसे राष्ट्रीय चरित्र का हिस्सा नहीं माना जा सकता। आज देश का हर नागरिक राष्ट्रीयता को ऊंचे स्तर तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है, लेकिन विपक्ष का रुख कुछ और ही दिखाता है। लोकतंत्र में राजनीतिक विरोध होना स्वाभाविक है, लेकिन राष्ट्र से संघर्ष करने जैसा बयान देना अनुचित है। राठौड़ ने राहुल गांधी पर यह भी कटाक्ष किया कि उन्हें अपनी पार्टी की राजस्थान इकाई के बयानों की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राजस्थान इकाई के नेता आरएसएस की तर्ज पर शाखाएं लगाने की घोषणा कर रहे हैं। मेरा राहुल गांधी को आमंत्रण है कि वे आरएसएस की शाखाओं में आकर प्रशिक्षण लें। उन्होंने आरएसएस को राष्ट्रीय चरित्र वाला संगठन बताते हुए कहा कि यहां हमेशा देशहित को प्राथमिकता दी जाती है। आरएसएस में हर योजना और गतिविधि राष्ट्रभक्ति पर आधारित होती है, जबकि विपक्ष के नेताओं की बयानबाजी राष्ट्र के प्रति वफादारी नहीं दिखाती। भारत की व्यवस्था से संघर्ष करने का बयान राष्ट्रीय चरित्र नहीं हो सकता।

भारत के अंदर सोनभद्र जिला अकेले स्विट्जरलैंड बनने की रखता है सामर्थ्य : योगी

सोनभद्र (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को यहां विधायक खेलकूद महाकुंभ के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के अंदर स्विट्जरलैंड बनने की सामर्थ्य अकेले सोनभद्र जनपद रखता है। उन्होंने कहा कि केवल प्रदेश ही नहीं बल्कि देश की आदि परम्परा को समेटे हुए श्रृष्टि के प्रारंभ के जीवाश्म पार्क, गुफाचित्रों प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण एवं सांस्कृतिक तथा धार्मिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण जनपद है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यहां ग्यारहवीं सदी का शिवद्वार मंदिर, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर, मां मुंडेश्वरी मंदिर, मां ज्वालामुखी मंदिर के चतुष्कोणीय आवरण के बीच पूरा जनपद अवस्थित है। इसलिए यह जनपद अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अपनी भौगोलिक, अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक तथा प्राकृतिक बनावट के कारण अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सोनभद्र जनपद

अकेले 12000 मेगावाट बिजली उत्पादन करता है। इसीलिए यह उत्तर प्रदेश की ऊर्जा की राजधानी के रूप में विख्यात है। प्रधान मंत्री की प्रेरणा से जब हम खेलकूद की बात करते हैं तो भारत के सर्वांगीण विकास की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत विकास के नित नए प्रतिमान तब स्थापित करेगा जब उत्तर प्रदेश विकास करेगा। उत्तर प्रदेश तब विकास करेगा जब हर जनपद विकास करेगा। योगी ने कहा कि इसमें आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विकास के साथ ही भौतिक विकास के कार्य भी होने चाहिए जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ-साथ रोजगार को भी उतनी ही प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकास के नित नए कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं। आज एक नए भारत का दर्शन होता है जो काशी विश्वनाथ धाम के रूप में जाना जाता है। साथ अयोध्या में पाँच सौ वर्षों की विरासत को संरक्षित करते हुए भव्य राम मंदिर का स्वरूप सामने आता है और एक नई अयोध्या के दर्शन होते हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इसी क्रम में प्रयागराज की धरती पर इस सदी के पहले कुंभ का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त होता है द्य उन्होंने कहा कि विगत तीन दिनों में लगभग 6 करोड़ लोगों ने प्रयागराज के मां गंगा जमुना और सरस्वती के पावन संगम में श्रद्धा की डुबकी लगाई है। प्रधानमंत्री की परिकल्पना का साकार रूप है जो हर कोई काशी, अयोध्या और प्रयागराज आना चाहता है। उत्तर प्रदेश के हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना हो रही है। हर घर नल योजना भी लागू हो गई है। सोनभद्र में फ्लोरिंग सोलर प्लांटों के माध्यम से ग्रोइन एनर्जी का विकास करेंगे। साथ ही स्थानीय लोगों के लिए यहीं रोजगार पैदा करेंगे। योगी ने खेल महाकुंभ में समापन के अवसर पर सीनियर सिटीजनों की रस्साकशी प्रतियोगिता की चर्चा करते हुए प्रशंसा की। इसी क्रम में बालिकाओं की प्रतियोगिता एवं बालिकाओं द्वारा की गई कमेंट्री को भी सराहा। उन्होंने बताया कि इस खेलकूद के विभिन्न प्रतियोगिताओं में ग्यारह हजार प्रतियोगियों ने भाग लिया जो अपने आप में बड़ी संख्या है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने ही प्रेरित किया कि हर गांव में खेल का मैदान हो तथा ब्लाक स्तर पर मिनी स्टेडियम और जिला स्तर पर स्टेडियम हो। इस पर लगातार काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि खेलकूद को आगे बढ़ाने के लिए ही यदि कोई अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतता है तो उसे उत्तर प्रदेश सरकार उसे बाहरी भरकम धनराशियों से पुरस्कृत करती है।

जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने तोड़ा अपना अनशन

पटना (हिंस)। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं पीटी परीक्षा को रद्द कराने की मांग को लेकर 14 दिन से अनशन कर रहे प्रशांत किशोर ने आज जूस ग्रहण कर अपना अनशन तोड़ा। गंगा नदी में स्नान के बाद उन्होंने मरीन ड्राइव में बने टेंट सिटी में पहले पूजा की। फिर समर्थकों के फल खाकर अपना अनशन खत्म किया। मौके पर पत्रकारों से बातचीत में प्रशांत किशोर ने कहा कि अब सत्याग्रह करेंगे, जो तब तक चलेगा जब तक अभ्यर्थियों के साथ न्याय नहीं होता। उन्होंने कहा कि इस टेंट सिटी में आज से सत्याग्रह शुरू हो रहा है, जिसमें आनेवाले हफ्तों में लाखों लोगों को शामिल किया जाएगा। बिहार में कानून, शिक्षा और सुरक्षा को लेकर यह सत्याग्रह शुरू किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि प्रशांत किशोर शिक्षा, परीक्षा और रोजगार से जुड़े पांच सूत्रीय मुद्दों को लेकर बीते 2 जनवरी से अनशन पर थे।

वायु सेना बेस का दौरा किया दक्षिण पश्चिमी वायु कमान के एओसी-इन-चीफ ने

जयपुर (हिंस)। दक्षिण पश्चिमी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने पश्चिमी क्षेत्र में वायु सेना बेस का दौरा किया। एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ का स्वागत बेस के स्टेशन कमांडर ग्रुप कैप्टन विनय भारद्वाज ने किया। इस दौरान एओसी-इन-चीफ ने स्टेशन की भूमिका और परिचालन तत्परता की समीक्षा की। एयर मार्शल को स्टेशन के विभिन्न परिचालन, रखरखाव और प्रशासनिक पहलुओं की जानकारी दी गई। बाद में उन्होंने स्टेशन कर्मियों को संबोधित किया और निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में स्टेशन के कर्मियों द्वारा प्रदर्शित उच्च स्तर की व्यावसायिकता और कड़ी मेहनत की सराहना की। उन्होंने उपलब्ध संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग के साथ पूर्ण परिचालन तैयारियों को बनाए रखने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

अमृतसर में शराब कारोबारी के आवास पर ग्रेनेड हमला, आतंकी संगठन बब्बर खालसा ने ली जिम्मेदारी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के अमृतसर जिले के गांव जैंतीपुर में रात को शराब कारोबारी अमनदीप जैंतीपुरिया के घर पर ग्रेनेड हमला हुआ है। इस हमले में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है। फिलहाल पंजाब पुलिस कुछ भी कहने से कतरा रही है। आतंकी संगठन बब्बर खालसा ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। बताया गया है कि शराब कारोबारी अमनदीप डेरा बाबा नानक से सांसद व पूर्व डिप्टी सीएम सुखजिंदर रंधावा का करीबी है। जैंतीपुर गांव मजीठा हलके में है। ग्रामीणों का कहना है कि मोटरसाइकिल से आए तीन युवकों ने अमनदीप के घर पर ग्रेनेड नुमा कोई वस्तु फेंकी। इससे वहां जोरदार धमाका हुआ। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। पूर्व विधायक और अकाली नेता बिक्रम मजीठिया ने पूरी घटना की जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की। मजीठिया ने कहा कि इससे पहले मजीठा पुलिस स्टेशन को निशाना बनाया गया और अब जैंतीपुर में बम फेंका गया है। पंजाब का लॉ एंड ऑर्डर ऐसा हो चुका है कि लोग पुलिस के पास आने की जगह फिरौती दे रहे हैं। इन घटनाओं के बाद भगवंत मान को इस्तीफा दे देना चाहिए। इस घटना के कुछ समय बाद बब्बर खालसा इंटरनेशनल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट को वायरल किया। इसमें लिखा गया कि आज मैं जैंतीपुर में शराब ठेकेदार पप्पू जैंतीपुर के घर पर हुए ग्रेनेड हमले की जिम्मेदारी लेता हूं। इसके पीछे कारण यह है कि कुछ समय पहले हमने उन्हें फोन कर कहा था कि इस बार पंजाब में शराबबंदी करनी है और इसकी शुरुआत माझा से करनी है, हमारी बात को उन्होंने हल्के में लिया और बात को नजरअंदाज कर दिया। अब हम इसे अपने तरीके से समझाएंगे। इन ठेकेदारों द्वारा गुरु घर और स्कूलों के पास कई ठेके खोले गए, लेकिन अब इसकी काफी निंदा हो रही है। दूसरे लोग उनके अधीन काम कर रहे हैं, इस बारे में सोचें। हमने उन्हें पहले मौखिक रूप से बताया था लेकिन उन्होंने कार्रवाई नहीं की, इसके बाद हमने उनके ठेके में आग भी लगा दी।

अब तक सात करोड़ से अधिक श्रद्धालु आ चुके हैं प्रयागराज महाकुंभ

महाकुम्भनगर (हिंस)। प्रयागराज महाकुंभ में पहुंचे देश-विदेश के श्रद्धालु अब उत्तर प्रदेश के अन्य धार्मिक स्थलों पर भी पहुंचने लगे हैं। स्नान के उपरांत श्रद्धालु 13, 14 व 15 जनवरी को श्रृंगवेरपुर, चित्रकूट, वाराणसी, मां विंध्यवासिनी धाम, नैमिषारण्य व अयोध्या में दर्शन-पूजन करने पहुंचे हैं। मेला प्रशासन के मुताबिक अब तक तकरीबन सात करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने महाकुंभ में स्नान-पूजन किया। जबकि अयोध्या में तीन दिन में तकरीबन 10 लाख, काशी विश्वनाथ मंदिर में 7.40 लाख, विंध्यवासिनी धाम में 5 लाख व नैमिषारण्य धाम सीतापुर में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किया। इन क्षेत्रों में श्रद्धालुओं के पहुंचने से स्थानीय रोजगार को भी काफी बढ़ावा मिल रहा है। काशी विश्वनाथ मंदिर में तीन दिन में 7.40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किया। यहां 13 जनवरी को 2.19 लाख, 14 जनवरी को 2.31 लाख और 15 जनवरी को 2.90 लाख से अधिक दर्शन करने पहुंचे। विंध्यवासिनी धाम में 5 लाख व नैमिषारण्य धाम में एक

लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किया। रामनगरी में निरंतर श्रद्धालुओं का सैलाब पहुंच रहा है। जय श्रीराम के जयकारे संग अयोध्या पहुंचे श्रद्धालुओं की आस्था से पूरी नगरी राममय हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जिला प्रशासन दर्शनार्थियों के लिए सारी व्यवस्थाएं उपलब्ध करा रहा है। तकरीबन 10 लाख से अधिक श्रद्धालु तीन दिन में अयोध्या पहुंचे हैं। रामलला के 500 वर्ष बाद विराजमान होने के उपरांत यहां सर्वाधिक श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। यहां रामलला व हनुमानगढ़ी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी लाइन उमड़ी है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर आयुक्त गौरव दयाल, आईजी प्रवीण कुमार, डीएम चंद्र विजय सिंह, एसएसपी राजकरण नैयर, नगर आयुक्त संतोष शर्मा व अन्य आलाधिकारी धर्मपथ, रामपथ व भक्तिपथ पर भ्रमण करते रहे। यहां जरूरतमंदों को आश्रय स्थल भी भेजा गया। अयोध्या के एसएसपी राजकरण नैयर ने बताया कि अयोध्या धाम को 5 जोन व 12 सेक्टर में विभाजित कर दो पालियों में पुलिस बल की ड्यूटी लगाई गई है। मुख्य स्नान पर्व पर राजपत्रित अधिकारी व थाना प्रभारी की ड्यूटी अलग से लगाई जाएगी। इसके अतिरिक्त पीएसी बल, बाढ़ राहत दल पीएसी की ड्यूटी लगाई गई है। यलो जोन यूटी प्वाइंट पर तीन पालियों में पुलिस, पीएसी की ड्यूटी लगाकर यातायात को सुव्यवस्थित कराया जा रहा है। सीसीटीवी कंट्रोल रूम द्वारा निरंतर निगरानी भी की जा रही है।

सर्राफा बाजार में तेजी का रुख, सोना और चांदी के बढ़े भाव

नई दिल्ली

एक दिन की मामूली गिरावट के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है। की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 80,220 रुपये से लेकर 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73,550 रुपये से लेकर 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 93,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 80,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 80,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 80,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 80,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 73,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 80,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में उछाल आया है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

म्यूचुअल फंड और डीमैट अकाउंट्स के नियम बदले, सेबी ने जारी की नई गाइडलाइंस

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने म्यूचुअल फंड और डीमैट अकाउंट्स में नॉमिनेशन के

नियम कुछ बदल दिए हैं। इन नए नियमों के तहत निवेशक अब अपने डीमैट खाते या म्यूचुअल फंड फोलियो में अधिकतम 10 व्यक्तियों को नॉमिनी बना सकते हैं। यह संशोधित नियम 1 मार्च, 2025 से लागू होगा। सेबी का यह नया बदलाव निवेशकों के संपत्ति वितरण को बेहतर तरीके से प्रबंधित करने और क्लेम न की जाने वाली संपत्तियों की संख्या को कम करने के उद्देश्य से लागू किया गया है। अक्सर निवेशकों के निधन या गंभीर बीमारी की स्थिति में परिवार के सदस्य संपत्ति को लेकर विवादों में उलझ जाते हैं या कोई व्यक्ति क्लेम नहीं करता। इस स्थिति से निपटने के लिए सेबी ने यह कदम उठाया है। अब निवेशकों को नॉमिनी का पूरा विवरण देना होगा, जिसमें फोन नंबर, ईमेल, पता, आधार नंबर, पैन नंबर, ड्राइविंग लाइसेंस नंबर जैसी जानकारी शामिल होगी और नॉमिनी के साथ रिश्ते को भी स्पष्ट करना होगा। इसके अलावा, नॉमिनी का निर्धारण केवल निवेशक द्वारा किया जा सकेगा, न कि उनके पावर ऑफ अटॉर्नी (पीओए) द्वारा। नई गाइडलाइनों के अनुसार, म्यूचुअल फंड और डीमैट अकाउंट में नामित व्यक्ति को अन्य नॉमिनियों के साथ जॉइंट होल्डर बनने या अलग फोलियो बनाने का विकल्प होगा। इसके साथ ही, रजिस्टर्ड नॉमिनी को एसेट ट्रांसफर करने के लिए मृत निवेशक का डेथ सर्टिफिकेट और नॉमिनी का केवाईसी पूरा होना जरूरी होगा ।

जियो प्लेटफॉर्म्स ने पॉलीगॉन लैब्स के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली। जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड ने भारत में वेब3 प्रौद्योगिकी में अपना पहला कदम रखा। उन्होंने

पॉलीगॉन प्रोटोकॉल्स की डेवलपर शाखा पॉलीगॉन लैब्स के साथ साझेदारी की घोषणा की। इस साझेदारी के माध्यम से जियो प्लेटफॉर्म्स अपने ग्राहकों के लिए वेब3 क्षमताओं को अपने अनुप्रयोगों और सेवाओं में शामिल करने की योजना बना रहे हैं। जेपीएल के सीईओ ने इस साझेदारी को एक महत्वपूर्ण कदम बताया और डिजिटल उत्कृष्टता की दिशा में जियो की यात्रा में महत्वपूर्ण निर्देशक माना। वेब3 प्रौद्योगिकी ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी पर आधारित है जो सुरक्षा और अनुभव को मजबूत बनाती है और उपयोगकर्ताओं को उनके डेटा पर नियंत्रण भी प्रदान करती है। यह साझेदारी भारतीय डिजिटल उद्यमिता को और भी अग्रणी बनाएगी। इस साझेदारी से जियो प्लेटफॉर्म्स अपने ग्राहकों को और अधिक उन्नत और सुरक्षित अनुभव प्रदान करने के लिए तत्पर हैं। जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड (जेपीएल) ने भारत में वेब3 प्रौद्योगिकी में अपनी शुरुआत के लिए पॉलीगॉन प्रोटोकॉल्स की डेवलपर शाखा पॉलीगॉन लैब्स के साथ साझेदारी की है। पॉलीगॉन लैब्स ने यह जानकारी दी। इस साझेदारी के तहत जियो प्लेटफॉर्म्स अपने 45 करोड़ से अधिक ग्राहकों के लिए आरआईएल समूह की कंपनी के स्वामित्व तथा संचालन वाले अपने कुछ मौजूदा अनुप्रयोगों व सेवाओं में वेब3 क्षमताओं को जोड़ने की योजना बना रहा है। जेपीएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पॉलीगॉन लैब्स के साथ जुड़ना डिजिटल उत्कृष्टता की दिशा में जियो की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हम वेब3 की असीम संभावनाओं का पता लगाने और अपने उपयोगकर्ताओं को अद्वितीय डिजिटल अनुभव प्रदान करने के लिए उत्साहित हैं।

मैनकाइंड फार्मा पर 2 करोड़ का जुर्माना, कोलकाता दक्षिण सीजीएसटी और सीएक्स के आयुक्त कार्यालय से मिला नोटिस

नई दिल्ली। कोलकाता के कर प्राधिकरण ने मैनकाइंड फार्मा लिमिटेड पर वित्त वर्ष 2018 से 2022 की अवधि के आंकड़ों में कथित विसंगति को लेकर दो करोड़ रुपये से अधिक का जीएसटी जुर्माना लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि कंपनी ने विभिन्न वैधानिक रिटर्न में बताए गए आंकड़ों में विसंगति की रिपोर्टिंग की है। मैनकाइंड फार्मा ने इसके बारे में शेयर बाजार को सूचित किया और बताया कि उन्हें कोलकाता दक्षिण सीजीएसटी और सीएक्स के आयुक्त कार्यालय से एक नोटिस मिला है। नोटिस में कहा गया है कि जीएसटी प्राधिकरण ने वित्त वर्ष 2017-18 से 2021-22 के जीएसटी ऑडिट के आधार पर जुर्माना लगाया गया है। मैनकाइंड फार्मा लिमिटेड ने इस मुद्दे पर कोई आलेख नहीं दिया है और उन्होंने इस आरोप के खिलाफ अपील करने का संकेत भी नहीं दिया है।

फिक्की ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6.4 फीसदी किया

नई दिल्ली

भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) ने गुरुवार को चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.4 फीसदी कर दिया है। इससे पहले उद्योग मंडल ने भारतीय अर्थव्यवस्था के सात फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान जताया था।

फिक्की की ओर से जारी आर्थिक परिदृश्य सर्वेक्षण के ताजा अनुमान के अनुसार संशोधित अनुमान व्यापक अपेक्षाओं के अनुरूप है। फिक्की के आर्थिक परिदृश्य सर्वेक्षण के नवीनतम दौर में चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 6.4 फीसदी की वार्षिक औसत जीडीपी ग्रोथ का अनुमान लगाया है। वर्तमान सर्वेक्षण में पूर्वानुमान पिछले वर्ष सितंबर के महीने में आयोजित पिछले दौर में 2024-25 के लिए लगाए गए 7.0 फीसदी अनुमान से कम है।

उद्योग मंडल ने कृषि क्षेत्र, संबद्ध गतिविधियों सहित वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जारी अनुमान में 3.6 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद जताई है। दूसरी ओर उद्योग और सेवा क्षेत्रों में वित्त वर्ष 2024-25 में क्रमशः 6.3 फीसदी और 7.3 फीसदी की वृद्धि का अनुमान जताया है। सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में सुधार, त्योहारी मांग और मानसून के बाद औद्योगिक गतिविधि के सामान्य होने से चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है।

अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि एक फरवरी, 2025 को पेश होने वाला 2025-26 का केंद्रीय बजट वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और धीमी होती घरेलू वृद्धि के बीच आ रहा है। इसे देखते हुए आगामी केंद्रीय बजट में सरकार की नीति को आकार दे सकती हैं। दरअसल, फिक्की का ताजा अनुमान वित्त वर्ष 2023-24 में दर्ज वृद्धि दर की तुलना में काफी कम है।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी के अपने पहले अग्रिम अनुमान में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 6.4 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद जताई है, जो आरबीआई के 6.6 के अनुमान से कम है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की जीडीपी की वृद्धि दर 8.2 फीसदी रही थी।

अडाणी के खिलाफ रिपोर्ट जारी करने वाली हिंडनबर्ग रिसर्च ने समेटा अपना कारोबार

वाशिंगटन/नई दिल्ली। गौतम अडाणी, जैक डोर्सी और कार्ल इकान समेत कई अरबपति कारोबारियों को निशाना बनाने वाली हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपना कारोबार समेट लिया है। इसके संस्थापक नाथन एंडरसन ने गुरुवार को कंपनी बंद करने की घोषणा की। हिंडनबर्ग रिसर्च कंपनी के फाउंडर नाथन एंडरसन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि उन्होंने कंपनी को बंद करने का फैसला लिया है। उन्होंने लिखा, 'हमारी

प्लानिंग थी कि हम जिन विचारों पर काम कर रहे थे, उन्हें पूरा करने के बाद कंपनी को बंद कर दिया जाए। आखिरकार वह दिन आज आ गया है। दरअसल, जनवरी 2023 में अडाणी समूह के शेयरों को लेकर सनसनीखेज आरोपों के कारण ये अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म चर्चा में आई थी। इस फर्म के मालिक शॉर्ट सेलर नाथन एंडरसन ने गौतम अडाणी, जैक डोर्सी और कार्ल इकान समेत कई अरबपति कारोबारियों को निशाना बनाते हुए उनके खिलाफ झूठे आरोप लगाए थे। कंपनी ने अपनी रिपोर्ट्स के जरिए ना केवल भारत के अडाणी समूह बल्कि अमेरिका की कई बड़ी कंपनियों को भी निशाना बनाया।

चार आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुले

एक मेनबोर्ड आईपीओ स्टेलियान इंडिया का, जबकि तीन एसएमई आईपीओ हैं

मुंबई

इस हफ्ते 4 आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुले हैं, जिनमें अच्छा-खासा ग्रे मार्केट प्रीमियम देखने को मिल रहा है। इनमें से एक मेनबोर्ड आईपीओ स्टेलियान इंडिया का है, जबकि तीन एसएमई आईपीओ हैं। यह 88.32 करोड़ रुपए का एक एसएमई आईपीओ है। यह आईपीओ 15 जनवरी को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था और 17 जनवरी को बंद होगा। शेयरों का अलॉटमेंट 20 जनवरी और लिस्टिंग 22 जनवरी को हो सकती है। ग्रे मार्केट में कंपनी का शेयर 86 रुपए के इश्यू प्राइस के मुकाबले 70 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड करता दिखा है। इस तरह यह शेयर 81.40 फीसदी के प्रीमियम के साथ 156 रुपए पर लिस्ट हो सकता है। यह आईपीओ अब तक 8.47 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। यह 40 करोड़ रुपए का एक एसएमई आईपीओ है। यह आईपीओ 15 जनवरी को खुला था और 17 जनवरी को बंद होगा। शेयरों का अलॉटमेंट 20 जनवरी को और लिस्टिंग 22 जनवरी को हो सकती है। इस आईपीओ में एक लॉट 1000 शेयरों का है। यह आईपीओ अब तक 12.52 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। ग्रे मार्केट में कंपनी का शेयर 128 रुपए के इश्यू प्राइस के मुकाबले 90 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड करता दिखा। इस तरह इस शेयर की लिस्टिंग 70.31 फीसदी के प्रीमियम के साथ 218 रुपए पर हो सकती है। यह 199.45 करोड़ रुपए का एक मेनबोर्ड आईपीओ है। यह आईपीओ 16 जनवरी यानी सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन है और 20 जनवरी को बंद होगा। 21 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट होगा और 23 जनवरी को स्टॉक एक्सचेंजों पर शेयर की लिस्टिंग होगी। इस आईपीओ में एक लॉट 165 शेयरों का है। ग्रे मार्केट में यह शेयर 90 रुपए के इश्यू प्राइस के मुकाबले 48 फीसदी के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। इस तरह यह शेयर 53.33 फीसदी के प्रीमियम के साथ 138 रुपए पर लिस्ट हो सकता है।

व्हाटसऐप के अकाउंट्स बैन

व्हाटसऐप के 76 लाख से ज्यादा अकाउंट्स भारत में बैन

निजी वाहनों के लिए टोल संग्रह के बदले मासिक और वार्षिक पास शुरू होगा

वाणिज्यिक वाहनों से आता है टोल राजस्व का 74 प्रतिशत हिस्सा

नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय राजमार्गों पर निजी वाहनों के लिए टोल संग्रह के बदले मासिक और वार्षिक पास शुरू करने की योजना बना रही है। एक कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि टोल संग्रह बूथ गांवों के बाहर बनाए जाएंगे। टोल राजस्व का 74 प्रतिशत हिस्सा वाणिज्यिक वाहनों से आता है। हम निजी वाहनों के लिए मासिक या वार्षिक पास शुरू करने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुल टोल संग्रह में निजी वाहनों की हिस्सेदारी केवल 26 प्रतिशत है, इसलिए सरकार को कोई नुकसान नहीं होगा। गडकरी ने कहा कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने शुरुआत में राष्ट्रीय राजमार्गों पर फास्टैग के साथ एक अतिरिक्त सुविधा के रूप में बाधा रहित वैश्विक नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) आधारित टोल संग्रह प्रणाली को लागू करने का फैसला किया है। ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) आधारित टोल संग्रह प्रणाली वर्तमान टोल संग्रह प्रणाली से बेहतर

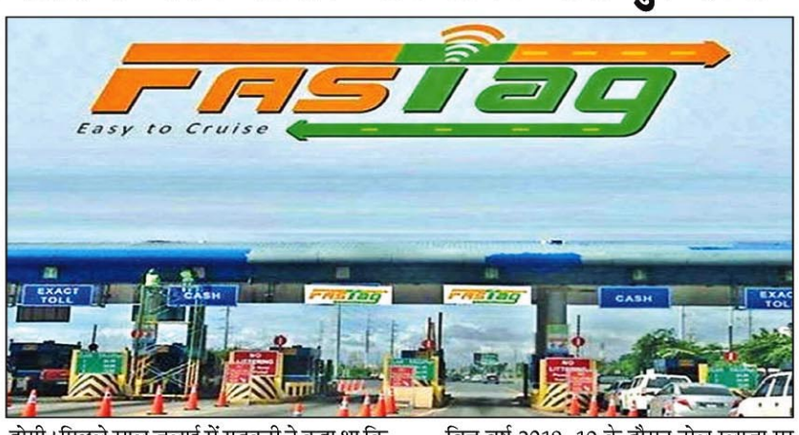

होगी। पिछले साल जुलाई में गडकरी ने कहा था कि जीएनएसएस आधारित उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह प्रणाली के संबंध में कर्नाटक में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-275 के बेंगलुरु-मैसुरु खंड और हरियाणा में एनएच-709 के पानीपत-हिसार खंड पर एक प्रायोगिक अध्ययन किया गया है। इस कदम का उद्देश्य यातायात की भीड़ को कम करना और राजमार्गों पर यात्रा के लिए सटीक दूरी के आधार पर शुल्क लेना है।

वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान टोल प्लाजा पर वाहनों के लिए औसत प्रतीक्षा समय आठ मिनट था। वित्त वर्ष 2020-21 और 2021-22 के दौरान फास्टैग की शुरुआत के साथ वाहनों का औसत प्रतीक्षा समय घटकर 47 सेकंड रह गया है। यद्यपि कुछ स्थानों पर, विशेषकर शहरों के निकट घनी आबादी वाले कस्बों में प्रतीक्षा समय में काफी सुधार हुआ है, फिर भी व्यस्त समय के दौरान टोल प्लाजा पर कुछ देरी होती है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशियाई बाजारों में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह एशियाई बाजार में भी आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है।

अमेरिका में महंगाई की दर अनुमान से कम रहने की वजह से पिछले सत्र के दौरान वॉल स्ट्रीट में उत्साह बना रहा। रिटेल महंगाई के आंकड़ों से उत्साहित डाउ जॉन्स पिछले सत्र के दौरान 703 अंक उछल गया। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 106.93 अंक यानी 1.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,949.84 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 466.23 अंक यानी 2.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,510.62 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 43,320.24 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी

होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 1.20 प्रतिशत उछल कर 8,301.13 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.68 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,474.59 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 303.35 अंक यानी 1.47 प्रतिशत की तेजी के साथ 20,574.68 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी बनी हुई है। एशिया के 9 बाजारों में से 8 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक बिकवाली के दबाव का सामना करते हुए लाल निशान में पहुंचा हुआ है। सेट कंपोजिट इंडेक्स फिलहाल 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,350.68 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 109.50 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,371.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.66 प्रतिशत उछल कर 3,797.55 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स में जोरदार तेजी नजर आ रही है। फिलहाल ये सूचकांक 533.37 अंक यानी 2.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,047.94 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 1.07 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,523.46 अंक के स्तर तक आ गया है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की उछाल के साथ 38,533.60 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 159.61 अंक यानी 0.83 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,445.68 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,131.36 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,233.92 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

भारत में ई-कॉमर्स निर्यात को बढ़ावा, पहला केंद्र मार्च में होगा शुरू

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में ई-कॉमर्स क्षेत्र में एक नया मोर्चा खोलने की तैयारी है। देश का पहला ई-कॉमर्स निर्यात केंद्र मार्च में हो सकता है। विदेश व्यापार महानिदेशक (डीजीएफटी) ने बताया कि केंद्रों की प्रायोगिक शुरुआत को पांच कंपनियों के साथ किया जा रहा है। इन केंद्रों की प्रमुख विशेषताओं में इसे विदेशी व्यापार को आसान बनाने के लिए बनाया गया है। यह कदम भारत के व्यापार में वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है और उसे ई-कॉमर्स निर्यात में आवासीय स्थिति तक ले जाएगा। निदेशक ने इसके साथ ही एक डायमंड इम्प्रेस्ट ऑथराइजेशन (डीआईए) योजना की भी घोषणा की। इस योजना के तहत हीरे के आयात पर किए जाने वाले शुल्क मुक्त होंगे, जिससे भारत को हीरा प्रसंस्करण के केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सकेगा। इस नये केंद्र के शुरू होने से भारत की आर्थिक वृद्धि में एक बड़ा धक्का मिल सकता है और देश को ई-कॉमर्स क्षेत्र में वृद्धि दर्शाने का मौका मिल सकता है।

पीठ की चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हुए दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज नोर्टजे

नई दिल्ली

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले दक्षिण अफ्रीका को बड़ा झटका लगा है, जब तेज गेंदबाज एनरिक नोर्टजे पीठ की चोट के कारण बाहर हो गए। पिछले जून में टी20 विश्व कप के बाद से नोर्टजे ने कोई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है और उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज़ के लिए वापसी करनी थी, लेकिन नेट्स में उनके पैर की अंगुली में चोट लग गई। तब से वह अपनी एसए20 फ्रैंचाइज़ी, प्रिटोरिया कैपिटल्स के लिए बिल्कुल भी नहीं खेले हैं और उन्हें दक्षिण अफ्रीका के मार्की टी20 टूर्नामेंट से भी बाहर कर दिया गया है।

दक्षिण अफ्रीका जल्द ही चैंपियंस ट्रॉफी टीम के लिए प्रतिस्थापन की घोषणा करेगा।

गेराल्ड कोएट्ज़ी, जो पिछले नवंबर में श्रीलंका के खिलाफ डरबन टेस्ट में कमर में चोट लगने के बाद जोबर्ग सुपर किंग्स के लिए खेल में वापस आए हैं, सबसे संभावित प्रतिस्थापन हैं।

दक्षिण अफ्रीका के व्हाइट-बॉल कोच रॉब वाल्टर, जो अपनी टीमों के एकमात्र चयनकर्ता भी हैं, ने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के हवाले से बताया कि उनका प्रारंभिक चयन नॉर्टजे और कोएट्ज़ी के बीच सीधा मुकाबला था, और उन्होंने कोएट्ज़ी की तुलना में नॉर्टजे के अनुभव को चुना। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि उन्हें नॉर्टजे के फिट घोषित होने का भरोसा है।

उन्होंने कहा, वह एक पेशेवर हैं। वह खुद का ख्याल रखते हैं, अपनी कंडीशनिंग का ख्याल रखते हैं। मेरी तरफ से, मुझे उन पर भरोसा है और उम्मीद है कि वह खेलने के लिए तैयार होंगे।

हालांकि इसके बाद सीएसए की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि नोर्टजे ने सोमवार दोपहर को स्कैन करवाया था और 50 ओवर के टूर्नामेंट के लिए समय पर ठीक होने की उम्मीद नहीं है।

पिछले छह आईसीसी इवेंट में यह तीसरी बार है जब नोर्टजे चोट के कारण बाहर हुए हैं, और ये सभी वनडे टूर्नामेंट हैं। उन्हें 2019 विश्व कप में खेलना था, लेकिन टूर्नामेंट से पहले उनके अंगूठे में चोट लग गई, फिर पीठ के निचले हिस्से में संदिग्ध तनाव फ्रैक्चर के कारण वे 2023 विश्व कप से चूक गए और अब वे 2025 चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हैं। नोर्टजे ने उन सभी तीन टी20 विश्व कप में खेला है, जिनके लिए वे उपलब्ध थे – 2021, 2022 और 2024 – लेकिन उन्होंने अपने कार्यभार को प्रबंधित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय अनुबंध से बाहर होने का विकल्प चुना है।

न्यूज ब्रीफ

पडीक्कल और स्मरण के शानदार प्रदर्शन से कर्नाटक ने हरियाणा को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी

वडोदरा। देवदत्त पडीक्कल के स्मरण रविचंद्रन के बीच हुई शानदार शतकीय साझेदारी से कर्नाटक ने यहां

हरियाणा को छह विकेट से हराकर विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में प्रवेश किया है। इन दोनो ने ही इस मैच में अर्धशतक लगाये। पडीक्कल ने 86 और स्मरण ने 76 रन बनाये। इस मैच में जीत के लिए 238 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कर्नाटक की शुरूआत अच्छी नहीं रही। उसके कप्तान मयंक अग्रवाल पहले ही ओवर में पेवेलियन लौट गये पर इसके बाद पडीक्कल ने 86 और अश्विन स्मरण ने 76 रनों की पारी खेलकर तीसरे विकेट के लिए 128 रन की अहम साझेदारी कर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसी के साथ ही कर्नाटक ने जीत के लिए मिला लक्ष्य 47.2 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 238 रन बनाकर हासिल कर लिया। अब कर्नाटक का खिताबी मुकाबला विदर्भ और महाराष्ट्र के बीच होने वाली मैच की विजेता टीम से होगा। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए हरियाणा के खिलाड़ी कर्नाटक के गेंदबाजों के सामने खुलकर नहीं खेल पाये। कर्नाटक के बायें हाथ के तेज गेंदबाज अभिलाश शेट्टी ने 34 रन देकर चार विकेट जबकि लेग स्पिनर श्रेयस गोपाल ने 36 रन देकर 2 और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने 40 रन देकर 2 विकेट लिए। हिमांशु राणा और कप्तान अंकित कुमार ने 44 और 48 रन बनाये पर इनके आउट होने के बाद कोई भी जोड़ी टिक नहीं पायी।

खिलाड़ियों द्वारा फीस न दिए जाने के विरोध के बाद बीपीएल फ्रेंचाइजी दरबार

नई दिल्ली। बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) फ्रेंचाइजी दरबार राजशाही ने अपने क्रिकेटरों को फीस का भुगतान देरी से करने के लिए माफी मांगी है। यह घटनाक्रम तब सामने आया जब फ्रैंचाइज़ के क्रिकेटरों ने 15 जनवरी को चटगाँव में अपना प्रशिक्षण सत्र रद्द कर दिया, क्योंकि क्लब के स्थानीय खिलाड़ियों ने बकाया भुगतान न किए जाने के बारे में विरोध किया था। जबकि विदेशी खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को 6 जनवरी को टीम के चौथे मैच के बाद उनके कुल वेतन का 25 प्रतिशत भुगतान किया गया है, लेकिन फ्रैंचाइज़ स्थानीय क्रिकेटरों के साथ अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने में विफल रही, जिसके कारण उन्हें अभ्यास सत्र का बहिष्कार करना पड़ा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) अध्यक्ष फारुक अहमद ने जूम मीटिंग में बोर्ड के निदेशकों से बात की और घटना की जानकारी मिलने के बाद राजशाही के अधिकारियों, कप्तान अनामुल हक और कई अन्य खिलाड़ियों के साथ चर्चा करने के लिए टीम होटल भी गए। फ्रैंचाइजी के संचालन प्रभारी जायेद अहमद ने देरी के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी, लेकिन यह भी कहा कि अभ्यास रद्द होना भुगतान के मुद्दे से संबंधित नहीं था। बुधवार को टीम प्रबंधन द्वारा दिए गए बयान में जायेद ने कहा, हम टीम प्रबंधन से लेकर सभी क्रिकेटरों के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हम उन्हें 16 जनवरी तक भुगतान कर देंगे और अभ्यास न करना इससे संबंधित नहीं है।

पाक ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए टिकटों की कीमतें घोषित कीं, सबसे सस्ती टिकट है 310 भारतीय रुपये

लाहौर। पाकिस्तान ने अगले माह होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए टिकट की कीमतें घोषित कर दी हैं। इसमें सबसे सस्ता टिकट भारतीय मुद्रा के हिसाब से 310 रुपए है। माना जा रहा है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने स्टेडियम में क्रिकेट प्रशंसकों की भागीदार बढ़ाने के लिए यह कदम उठाया है हालांकि इससे ये भी नजर आता है कि पीसीबी को भरोसा नहीं है कि अधिक तादाद में दर्शक स्टेडियम पहुंचेंगे। इसमें सेमीफाइनल के लिए पाकिस्तान के शीर्ष स्तरीयता प्राप्त वीवीआईपी टिकटों की सबसे अधिक कीमत 25,000 पाक रुपये है। टिकट श्रेणियों में सामान्य, प्रथम श्रेणी, प्रीमियम, वीआईपी और वीवीआईपी श्रेणियां शामिल हैं। सेमीफाइनल मैचों के लिए कीमत 2,500 पाकिस्तानी रुपए से शुरू होती है। वहीं कराची के मैदान पर पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के मैच की न्यूनतम कीमत 1,000 पाक रुपये है। जबकि वीवीआईपी टिकटों की कीमत 12,000 पाक रुपये है। लाहौर में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मैच होगा। इसमें सबसे कम कीमत 1,000 पाक रुपये है जबकि गैलरी सीटों के लिए 18,000 पाक रुपये की टिकटें हैं।

मुम्बई सिटी के खिलाफ लीग डबल पूरा करना चाहेगी पंजाब एफसी

नई दिल्ली

पंजाब एफसी गुरुवार शाम यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में मुम्बई सिटी एफसी की मेजबानी करेगी, तो उसका लक्ष्य इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में घर में हार की हैट्रिक से बचना होगा और आइलैंडर्स पर अपना पहला लीग डबल पूरा करना होगा। वहीं, मुम्बई सिटी एफसी अपने अवे मैचों में अपराजित रहने के सिलसिले को आगे बढ़ाना चाहेगी।

हालांकि, आइलैंडर्स ने अपने पिछले तीन मैचों में से प्रत्येक में एक से ज्यादा गोल खाए हैं, इस दौरान आठ गोल खाए हैं।

वर्तमान में फॉर्म से जूझ रही पंजाब एफसी लीग में अपने पिछले दो घरेलू मैच हार चुकी है। अगर मेजबान टीम गोल नहीं कर पाई, तो वो पहली बार लगातार घरेलू मैचों में गोल से दूर रहेगी। वहीं, मुम्बई सिटी एफसी अपने पिछले पांच अवे मैचों (3 जीत, 2 ड्रा) में अपराजित है।

पंजाब एफसी 14 मैचों में छह जीत, एक ड्रा और सात हार से 19 अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर है। मुम्बई सिटी एफसी 15 मैचों में छह जीत, पांच ड्रा और चार हार से 23 अंक लेकर तालिका में छठे स्थान पर है।

आइलैंडर्स अपने पिछले पांच मैचों में दो बार हारने के बाद अपनी फॉर्म तलाशेंगे। लालियानजुआला छांगटे निलंबन के कारण आगामी मैच नहीं खेलेंगे। पंजाब एफसी के निखिल प्रभु और खैमिंथांग लुंगडिम भी निलंबन के कारण बाहर रहेंगे।

पंजाब एफसी के सुरेश मीतेई ने अपने हवाई मुकाबलों में से 73.1प्रतिशत जीते हैं। उन्होंने अपने पिछले गेम में हाईलैंडर्स के खिलाफ सभी पांच हवाई द्वंद्व जीते। उन्होंने 11 टैकल जीते हैं, 24 इंटरसेप्शन किए हैं, और 71प्रतिशत सटीकता के साथ प्रति मैच औसतन 34 पास दिए हैं।

आइलैंडर्स के 22प्रतिशत गोल कॉर्नर से आए हैं, जो लीग में तीसरा सबसे ज्यादा है। लिहाजा, पंजाब के डिफेंस को संभल कर खेलना होगा।

नवंबर में पंजाब एफसी के खिलाफ 3-0 से हारने वाले आइलैंडर्स अपने पिछले तीन मैचों में से प्रत्येक में 2+ गोल खाए हैं। वहीं, पंजाब एफसी ने अपने पिछले तीन मैचों में केवल दो बार गोल किया है।

आइलैंडर्स ने आईएसएल 2024-25 में 21.6 का

अपेक्षित गोल मूल्य दर्ज किया है, लेकिन वे केवल 18 गोल कर पाए हैं, जिससे उनका अंतर -3.64 दूसरा सबसे कम है।

पंजाब एफसी के सहायक कोच शंकरलाल चक्रवर्ती ने स्वीकार किया कि मैच के कुछ चरणों के दौरान रक्षात्मक कमजोरी उनकी टीम की कमी साबित हुई है।

उन्होंने कहा, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के खिलाफ मैच के दौरान हमने कुछ चरणों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया और इसलिए हम गोल खा रहे थे। हमने हाईलैंडर्स के खिलाफ दूसरे हाफ की शुरुआत बहुत अच्छी की और हम मैच का विश्लेषण करेंगे।

आइलैंडर्स के चेक हेड कोच पीटर क्रेटकी पंजाब एफसी के जवाबी हमलों से सतर्क रहेंगे।

उन्होंने कहा, पंजाब एफसी अच्छे मौके बनाती है और वो अपने हालिया खराब परिणामों से वापसी करना चाहेगी। वो जानती है कि उसे क्या करना है, क्योंकि उसने रिवर्स फिक्स्चर में हमारे खिलाफ बहुत अच्छे जवाबी हमले किए थे। बता दें कि आईएसएल में इन दोनों टीमों के बीच तीन मुकाबले हुए हैं। पंजाब एफसी और मुम्बई सिटी एफसी ने क्रमश: एक और दो बार जीत हासिल की है।

कोपा डेल रे : एफसी बार्सिलोना, एटलेटिको मैड्रिड क्वार्टर फाइनल में

मैड्रिड

एफसी बार्सिलोना ने बुधवार को रियल बेटिस को घरेलू मैदान पर 5-1 से हराकर कोपा डेल रे के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। बार्सा ने रविवार को स्पेनिश सुपरकप में रियल मैड्रिड पर 5-2 की जीत के बाद एक और प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने मैच में लगभग शुरुआत से लेकर आखिर तक नियंत्रण बनाए रखा।

गेवी ने तीसरे मिनट में ही पेड्री और डैनी ओल्मो के मूव के बाद बार्सा के लिए पहला गोल करके दिखाया कि वह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में वापस आ गए हैं, और जूल्स कोंडे ने 27वें मिनट में लैमिन यामल की शानदार सहायता के बाद एक टाइट एंगल से एक शक्तिशाली शॉट के साथ बढ़त को दोगुना कर दिया।

दूसरे हाफ के शुरू में यामल का एक गोल ऑफसाइड घोषित कर दिया गया, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ा क्योंकि इसके तुरंत बाद राफिन्हा और फेरान टोरेस ने बार्सा के लिए तीसरा और चौथा गोल कर दिया।

यमल ने बार्सा के लिए 5-0 की बढ़त बनाई, लेकिन उसके कुछ क्षण पहले पाब्लो टोरे ने गोल कर बेटिस का खाता खोला और स्कोर 5-1 हो गया, जो कि निर्णायक साबित हुआ।

एक अन्य मैच में एटलेटिको मैड्रिड ने दूसरे डिवीजन के एल्चे को 4-0 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। वहीं, लेगानेस ने 2-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए दूसरे डिवीजन के लीडर अल्मेरिया को 3-2 से हराकर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

पोंटेवेद्रा का कप में साहसिक अभियान घरेलू मैदान पर गेटाफे से 1-0 की हार के साथ समाप्त हो गया, जिसमें अल्वारो रोड्रिगेज ने चौथे स्तर की टीम के खिलाफ दूसरे मिनट में एकमात्र गोल किया।

एफआईएसयू विंटर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स

लंदन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलती हुई आर्सेनल और टोटेनहम की टीमें

लीजेंड 90 लीग से मैदान पर वापसी के लिए तैयार शिखर धवन, दिल्ली रॉयल्स का करेंगे प्रतिनिधित्व

रायपुर

भारतीय क्रिकेट के पूर्व स्टार शिखर धवन फरवरी 2025 में होने वाली लीजेंड 90 लीग में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। धवन, जो इस लीग में दिल्ली रॉयल्स का प्रतिनिधित्व करेंगे, ने टीम के मनोबल को बढ़ाते हुए आगामी सीजन के लिए अपनी तैयारियों पर भरोसा जताया।

धवन ने कहा, लीजेंड 90 लीग के इस सीजन में मैं दिल्ली रॉयल्स के लिए खेलूंगा। मैदान पर अपने फॉर्म को दिखाने और हर पल को यादगार बनाने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। इतने समय बाद प्रशंसकों से मिल रहे प्यार के लिए मैं दिल से आभारी हूं।

दिल्ली रॉयल्स की नई ताकत

हाल ही में खत्म हुए खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में दिल्ली रॉयल्स ने कई दिग्गज और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल किया। इन खिलाड़ियों में वेस्ट इंडीज के जेरोम टेलर और दिनेश रामदीन, श्रीलंका के दनुष्का गुनाथिलका, और भारत से सुमित नरवाल, परविंदर अवाना, शरद

लुंबा, लखविंदर सिंह, तथा राजविंदर सिंह शामिल हैं।

दिग्गज बल्लेबाज रॉस टेलर के साथ इन खिलाड़ियों के आने से टीम का संतुलन और भी मजबूत हुआ है। टीम के मालिक और उत्तर भारत के अग्रणी हॉस्पिटैलिटी ब्रांड मन्नत ग्रुप के चेयरमैन देवेंदर कादयान ने कहा, इन नए खिलाड़ियों के शामिल होने से हमारी टीम की गहराई और ताकत में जबरदस्त इजाफा हुआ है। दिग्गज अंतरराष्ट्रीय और घरेलू खिलाड़ियों का यह मेल हर चुनौती के लिए तैयार है।

नई जर्सी का अनावरण

टीम के मैनेजमेंट ने इस मौके पर नई जर्सी का अनावरण भी किया। मन्नत ग्रुप के प्रतिनिधि मनदीप मलिक ने कहा, हमारी टीम दिल्ली के गौरव और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। धवन और टेलर जैसे खिलाड़ियों के साथ नए खिलाड़ियों का यह समावेश निश्चित रूप से टीम को नई ऊर्जा देगा। हमें पूरा विश्वास है कि दिल्ली रॉयल्स लीग में शानदार प्रदर्शन करेगी।

लीग का रोमांचक प्रारूप

लीजेंड 90 लीग, 90 गेंदों का एक तेज़-तर्रार फॉर्मेट है, जिसमें कई पूर्व दिग्गज खिलाड़ी एक साथ खेलते नजर आएंगे। यह लीग उनके लिए एक उत्सव है, जो उन्हें अपने सुनहरे दिनों को दोबारा जीने का मौका देती है। पिछले महीने टीम ने अपने लोगो का अनावरण किया था, जो एक ढाल और कवच के प्रतीक के साथ उनकी ताकत, एकजुटता और वीरता को दर्शाता है।

जोकोविच सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम मैच खेलने वाले खिलाड़ी बने

स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर का रिकार्ड तोड़ा

मेलबर्न

सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर के मैच में कोर्ट पर उतरते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। अब जोकोविच स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर का रिकार्ड तोड़कर सबसे अधिक ग्रैंडस्लैम मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। जोकोविच ने अब चारों ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंटों में 430 मैच खेल लिए हैं ये एक नया रिकॉर्ड है। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पहले दौर में उतरते ही रोजर फेडरर के 429

मुकाबलों की बराबरी की थी। जोकोविच ने दूसरे दौर के मुकाबले में पुर्तगाल के क्वालीफायर जेमी फरिया को 6-1, 6-7 (4), 6-3, 6-2 से हराया। जोकोविच ने अब अब ग्रैंडस्लैम मुकाबलों में 379 मैच जीते हैं जबकि 51 मैचों में उन्हें हार झेलनी पड़ी। जोकोविच ने कहा, 'ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में रिकार्ड बनाने से वह उत्साहित हैं और अपने को भाग्यशाली मानते हैं। वहीं पुरुष वर्ग में ही तीसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए योशिहितो निशिओका को 6-0, 6-1, 6-4 से हराया। दूसरी ओर बच्चे के जन्म के बाद वापसी करने वाली जापान की नाओमी ओसाका महिला एकल में तीसरे दौर में पहुंची हैं। ओसाका साल 2022 के बाद पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंचीं हैं। उन्होंने करोलिना मुचोवा के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके 1-6, 6-1, 6-3 से मुकाबला जीता। एक अन्य मुकाबले में विश्व रैंकिंग में 97वें नंबर की खिलाड़ी लौरा सीगमंड ने झेंग किनवेन को सीधे सेटों में 7-6 (3), 6-3 से हराया।

रोहित को संन्यास लेना चाहिये : मार्क वॉ

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मार्क वॉ ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को संन्यास की सलाह दी है। मार्क ने साथ ही कहा कि अगर वह चयनकर्ता होते तो रोहित को संन्यास लेने को कह देते। रोहित टी20 विश्व कप के बाद से ही फार्म में नहीं हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी वह रन नहीं बना पाये थे। इससे वह आलोचकों के साथ ही पूर्व क्रिकेटरों के भी निशाने पर हैं। मार्क के इस बयान का कुछ लोगों ने समर्थन किया है। वहीं कुछ ने कहा कि उन्हें पहले अपनी टीक के मिचेल मार्श का रिकार्ड देखना चाहिये। मार्श भी इस सीरीज में विफल रहे हैं। वॉ ने कहा, अगर मैं अभी चयनकर्ता होता तो कहता कि मेलबर्न में जब रनों की जरुरत

थी तो वह दूसरी पारी में केवल 9 रन ही बना पाये। ऐसे में सिडनी में आपको नहीं लिया जा सकता। मैं कहता, रोहित आपकी सेवा के हम आभारी हैं। आप एक बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं पर हम अब जसप्रीत बुमराह को कप्तान बनाने जा रहे हैं और यह आपके करियर का अंत होगा। रोहित के लिएए यह सीरीज किसी खराब सपने से कम नहीं रही है। उन्होंने 5 पारियों में 31 रन बनाए हैं, जबकि कप्तान के तौर पर भी वह बहुत सफल नहीं रहे हैं। वहीं भारत ने पहला टेस्ट बुमराह की कप्तानी में शानदार तरीके से जीता था। रोहित ने एडिलेड टेस्ट में कप्तानी संभाली थी जिसमें टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा था।

रिलेशन

बार-बार सॉरी बोलने से भी खराब हो सकते है रिश्ते

कहते है जहां प्यार, वहां छोटे-मेटे झगड़े होना आम है। लड़ाई-झगड़ा हर रिश्ते में होता है। कुछ लोग इस लड़ाई से बचने के लिए अपनी गलती न होते हुए भी सॉरी बोल देते है, ताकि यह झगड़ा रिश्ते में दूरिया बना दें लेकिन कुछ लोगों को बात- बात पर सॉरी बोलने की आदत होती है। यही आदत सामने वाले व्यक्ति को परेशान कर देती है इसके कारण रिश्ते खराब होने लगते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि किस तरह आपका हर बात पर सॉरी बोलना रिश्ते को खराब कर सकता है।

1.खुद पर विश्वास की कमी

हर बात पर अपनी गलती मान लेने से व्यक्ति के कमजोर मनोबल के बारे में पता चलता है जो बिल्कुल अच्छा नहीं माना जाता। लोग सोचते हैं कि जिसको खुद पर विश्वास नहीं है वह किसी और पर भरोसा कैसे कर सकता है। इसी कारण आपका दोस्त, पार्टनर या कोई अन्य व्यक्ति आपसे धीरे-धीरे दूरिया बना लेता है।

2. हर बात को दिल से लगाना

कुछ लोग इतने संवेदनशील होते है कि वो अक्सर पुरानी बातें याद दिलाकर लोगों से मांफी मांगने लगते है। ऐसे में उस व्यक्ति का अच्छा मूड भी खराब हो जाता है। इससे पति-पत्नी और दोस्तों के रिश्ते की सहजता खत्म हो जाती है और रिश्ता टूटने की कगार पर आ जाता है।

3. अपनी खुशी अहम

अपने आस-पास के लोगों को खुश रखने और खुद को अच्छा दिखाने के लिए वह दूसरों की तारीफ करने लगते है। वही अपनी तारीफ सुन- सुन कर सामने वाला परेशान हो जाता है। जिससे वह धीरे-धीर उससे दूर होना शुरू कर देता है।

बेस्ट फ्रेंड्स में हैं ये खूबियां तो आप सचमुच में हैं भाग्यशाली

से तो परिवार के सदस्य हर वक्त एक-दूसरे का साथ देने के लिए तैयार होते हैं लेकिन फिर भी हर किसी की जिंदगी में परिवार वालों से भी ज्यादा कोई अहमियत रखता है वह है सच्चा दोस्त। दोस्त वह होते हैं जो अपने जरूरी काम को छोड़कर भी मुश्किल में फंसे हुए अपने दोस्त का साथ देने के लिए किसी न किसी तरह उसका साथ देने के लिए पहुंच ही जाते हैं। आइए जानते हैं दोस्तों का कौन सी खूबियां बना देती हैं उन्हें स्पैशल।

आगे बढ़ने के लिए देते हैं साथ

वैसे तो हर किसी की बहुत से लोगों के साथ दोस्ती होती है लेकिन सिर्फ एक या दो दोस्त ही होते हैं जो आपको जिंदगी में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। वह आपकी तरक्की से जलते नहीं बल्कि खुश होते हैं।

सच बोलेगा भले लगे कड़वा

जिंदगी में कई बार ऐसे पड़ाव आते हैं जब हमें वो सच सुनाई और दिखाई नहीं देता जो हमारे सामने खड़ा होता हैं ऐसे समय में हमें एक सच्चे दोस्त की जरुरत होती हैं जो थोड़े कड़े स्वभाव से ही सही पर हमें सच्चाई से रूबरू करायें

कमियों को दूर करने में करता है मदद

हर किसी में कोई न कोई कमी जरूर होती है लेकिन इनको दूर करने में सिर्फ दोस्त ही मदद करते हैं। वह आपको किसी भी तरह से निराश नहीं देख सकते और इसके लिए कोशिश करने के लिए आपको प्रेरित करते रहते हैं।

नहीं करते किसी और से शेयर

जिंदगी में ऐसी बहुत सी बातें होती हैं जो आप अपने परिवार वालों के साथ शेयर नहीं कर सकते लेकिन दोस्तों के साथ बेझिझक अपने मन की बात कर लेते हैं। सच्चा दोस्त भी वही है जो आपकी इन बातों के अपने तक ही रखता है, किसी और के साथ शेयर नहीं करता।

पूरी तरह कर निभाता है साथ

अच्छे दोस्त वही कहलाते हैं जो बुरे समय में जब कोई आपके साथ नहीं होता तब भी सच्चा मित्र आपका साथ नहीं छोड़ता। अपनी परेशानी को भूलकर मदद करने के लिए आगे आते है और कभी भी अहसान नहीं जताते।

भूलाने का करता है प्रयास

एक अच्छा मित्र आपके अतीत के संबंध में कभी नहीं बात करेगा। यदि आप उनको अपने अतीत की कमजोरियों या गलतियों के बारे में कुछ बता भी देंगे तो वह आपको उसे भूलने और अतीत से सीखने की सलाह देते हैं न कि आपकी बातों को दूसरों को बताकर मजे लेते हैं।

कोशिश नहीं करते

एक सच्चा दोस्त कभी भी आपको जज नहीं करेगा यानी वह कभी आंकने की कोशिश नहीं करता कि आप कितने अच्छे, बुरे, परफेक्ट या इम्पेर्फेक्ट हो। वह आपको जैसे आप हो वैसे ही स्वीकार करता है क्योंकि उसे पता होता है कि वह खुद भी परफेक्ट नहीं है। वह आपको आपकी कमियों के लिए उलाहना नहीं देता और न ही आपकी कमियों के लिए आपको छोड़ता है।

यदि आपके पास ऐसे दोस्त हैं जिनमें यह सब गुण हैं तो यकीन मानिए आप सचमुच में भाग्यशाली हैं और आप ऐसे मित्रों को कभी नहीं छोड़ना चाहेंगे।

सौंदर्य

ऑलिव ऑयल से बने ये फेस पैक सर्दियों में भी स्किन को रखेंगे जवां

शुष्क हवाओं के चलने से सर्दियों में स्किन ड्राईनैस की समस्यां होने लगती है। इससे बचने के लिए महिलाएं कई तरह के लोशन और क्रीम का उपयोग करती हैं लेकिन इनका असर कुछ समय के बाद खत्म हो जाता है। ऐसे में ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल करके स्किन के रूखे पन से बचा सकता है। इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट, फाइटोस्टेरॉल, पॉलीफेनॉल और विटामिन ई त्वचा में होने वाली समस्याओं से बचाए रखते है। आज हम आपको ऑलिव ऑयल के कुछ ऐसे फेस पैक के बारे में बताएंगे जिनका इस्तेमाल करके सर्दियों में भी स्कीन को जंवा और सॉफ्ट रखा जा सकता है।

1.ऑलिव ऑयल और शहद

1 टीस्पून शहद और ऑलिव ऑयल लें और अच्छे से मिक्स करें। इस फेस पैक को 10 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं। इसके बाद गुनगुने पानी से चेहरा धो ले। इस पैक से आपकी स्किन सॉफ्ट और जंवा बनी रहेगी।

2. ऑलिव ऑयल और केला

केले में विटामिन बी6 होता है जो स्किन के लिए फायदेमंद होता है। ऑलिव ऑयल और केले को एक साथ लगाने से स्किन ड्राईनेस की समस्यां नहीं होती । इस पैक को बनाने के लिए केले को अच्छे से मैश कर ले। अब इसमें ऑलिव ऑयल डालें और इसको अच्छे मिक्स कर लें। इस पैक को गर्दन और चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगाएं।

3. ऑलिव ऑयल और मेथीदाना

इस फेस पैक में एंटी-एजिंग गुण होते हैं जो उम्र को बढ़ने नहीं देते। यह पैक चेहरे से झुर्रियां और रेखाओं को हटाता है। इसे बनाने के लिए मेथी के दानों को रात भर भीगों कर रखें। सुबह इसको पीस लें। इस पेस्ट में 1 टीस्पून ऑलिव ऑयल डालें और चेहरे पर लगाएं।

4 .ऑलिव ऑयल और अंडा

ऑलिव ऑयल और अंडे के सफेद भाग से बने फेस पैक से त्वचा में कसाव आता है और यह शुष्क हवा के कारण होने वाली समस्याओं से स्कीन को बचाए रखता है। इस फेस पैक को बनाने के लिए अंडे का केवल सफेद भाग ले। इसमें अब 1 टेबलस्पून ऑलिव ऑयल डालकर आपस में मिला लें। इस पैक को रोजाना लगाने से चेहरे पर ग्लो आता है।

5. ऑलिव ऑयल और ग्लिसरीन

इनका मिश्रण सर्दियों में होने वाली स्किन प्रॉब्लम से बचाता है। इस पैक को बनाने के लिए 1 चम्मच ऑलिव ऑयल में आधा टीस्पून ग्लिसरीन डालकर मिक्स करें। इस पैक को चेहरे और गर्दन पर 10 मिनट के लिए लगाएं। अब इसको गुनगुने पानी से धो ले।

पुरानी टीशर्ट से बनाएं फ्रिंज स्कार्फ

घर में कई चीजें ऐसी होती हैं जिन्हें हम बेकार समझ कर फैंक देते हैं, जैसे कि पुरानी टी-शर्ट। लोग एक ही टी शर्ट बार-बार पहनकर बोर हो जाते हैं या तो उसे वार्डरोब के किसी कोने में रख दिया जाता है या पोंछा बना दिया जाता है लेकिन शायद आप यह नहीं जानते कि थोड़ी सी क्रिएटिविटी दिखाकर आप टीशर्ट को खूबसूरत फ्रिंज स्कार्फ बना सकते हैं। चलिए आज हम आपको खूबसूरत टी शर्ट का खूबसूरत फ्रिंट स्कार्फ बनाना सिखाते हैं।

सामग्री : टी-शर्ट, कैंची

विधि : सबसे पहले टी-शर्ट का ऊपरी हिस्सा (गला और बाजू) काट दें ताकि स्कार्फ का बेस बन सकें।

अब टीशर्ट के निचले हिस्से के दोनों साइड 20 सेंटीमीटर कैंची से कट लगाएं ताकि फ्रिंज स्टाइल बन सकें।

अब दो-दो फ्रिंज्स को आपस में नॉट की तरह बांध लें। फिर इन्हें ट्राइगल शेप देने के लिए नीचे भी एक नॉट बांध लें।

निचले हिस्से के चारों ओर फ्रिंज स्टाइल बन जाएगा बस ऊपरी हिस्से पर हल्की सिलाई करें। आपका फ्रिज स्कार्फ तैयार है।

घर की फ्लोरिंग के लिए रंगों का चुनाव सोच-समझकर करें

वास्तु के अनुसार अपने घर की फ्लोरिंग के लिए रंगों का चुनाव सोच-समझकर करें। क्योंकि रंग भी घर में भी रहने वाली सकारात्मक या नकारात्मक ऊर्जा को प्रबावित करते हैं। घर में यदि सही रंगों का प्रयोग किया गया है तो घर में अच्छी ऊर्जा बनी रहती है।

पूर्व दिशा

पूर्व दिशा यदि ठीक हो तो घर के मुखिया पर भगवान इंद्र की कृपा रहती है। इसके अलावा यह दिशा भगवान सूर्य को भी समर्पित मानी गई है, इस दिशा में सही होने से समाज में मान-सम्मान बना रहता है। वास्तु के अनुसार इस दिशा का फर्श गहरे हरे रंग का होना चाहिए।

पश्चिम दिशा

शास्त्रों के अनुसार पश्चिम दिशा लक्ष्मीजी का निवास माना गया है। इसलिए इस दिशा का दोष मुक्त होना बहुत जरूरी है। इस दिशा में अच्छी साफ-सफाई रखनी चाहिए। इस दिशा में फर्श का रंग सफेद होना चाहिए और बहुत ज्यादा आकृति और डिजाइंस नहीं होना चाहिए।

उत्तर दिशा

घर की उत्तर दिशा बेहद महत्वपूर्ण होती है। वास्तु-शास्त्र के अनुसार केवल इस एक दिशा के सही होने से घर में खुशहाली आती है। वास्तु-शास्त्र के अनुसार उत्तर दिशा को धन-कुबेर का स्थान माना जाता है। इस दिशा में हमेशा गहरे काले रंग का पत्थर फर्श के तौर पर लगवाना चाहिए।

दक्षिण दिशा

वास्तु के अनुसार दक्षिण दिशा नर्क की दिशा मानी जाती है, इसलिए यह सलाह दी जाती है कि कभी भी इस दिशा में घर का प्रलेश द्वार नहीं होना चाहिए। न ही इस दिशा में शयन-कक्ष या पति-पत्नी का बेडरूम होना चाहिए। चूंकि इसे यम की दिशा मानी जाती है तो यहां के फर्श का रंग गहरा लाल होना चाहिए...।

उत्तर-पूर्व दिशा

उत्तर-पूर्व दिशा में भगवान शिव का वास माना गया है। शिवजी को आसमानी और नीला रंग बेहद पसंद है, इसलिए शिव पूजा में आसमानी रंगों का प्रयोग किया जाना शुभ माना गया है।

दक्षिण पूर्व

इस दिशा का सृष्टि के रचियता ब्रह्मा की दिशा माना गया है। इस दिशा में बैंगनी रंग का फर्श होना शुभ माना जाता है।

दक्षिण-पश्चिम दिशा

दक्षिण दिशा के स्वभाव से ठीक विपरीत दक्षिण पश्चिम दिशा का स्वभाव है। इस दिशा में हल्के रंगों का इस्तेमाल सही माना गया है। यहां हल्के गुलाबी रंग का फर्श ठीक माना गया है।

उत्तर-पश्चिम दिशा

घर की इस दिशा को वायु की दिशा माना जाता है। इसलिए इस दिशा की दीवारों, पर्दों और यहां तक फर्श का रंग भी ग्रे होना चाहिए। यह रंग इस दिशा के लिए सबसे शुभ माना गया है। इन जानकारी के अनुसार अगर आप अपने घर का फर्श बनवाते हैं तो आपको घर वास्तुदोष से मुक्त रहेगा। लेकिन अगर किसी कारण से आपने किसी दिशा में गलत रंग का फर्श बनवा लिया है तो आप कमरों का उपयोग बदल सकते हैं।

राजस्थानी डिश दाल बाफले

सामग्री

-गेहूं का आटा (मोटा पिसा हुआ)- 2 कप,-बेसन 1/4 कप -मक्के का आटा 1/4 कप, -शुद्ध घी 1/2 कप (आटे में डालने के लिए), -नमक- स्वादानुसार

-हल्दी पाउडर 1/4 टीस्पून,-सौंफ 1/4 टीस्पून,-मीठा सोडा चुटकी भर, -शुद्ध घी जरुरत के अनुसार (सिके हुए बाफले डुबोने के लिए),-दूध जरुरत के अनुसार (आटा गूंथने के लिए), -पानी जरुरत के अनुसार (बाफले उबालने के लिए)

विधि

1.बाफले बनाने के लिए एक बर्तन में गेहूं का आटा, बेसन, मक्के का आटा, नमक, हल्दी पाउडर, सौंफ और मीठा सोडा मिला लें। फिर इसमें 1/2 कप घी को पिघलाकर डालें और मिला लें। उसके बाद इसमें थोड़ा-थोड़ा गुनगुना दूध मिलाते थोड़ा कड़ा आटा गूंथ लें। 2. गूंथे हुए आटे को 4 बराबर हिस्सों में बाँट लें। 3. आटे के हिस्सों को पहले गेंद की तरह गोल कर लें, फिर हथेली से दोनों तरफ से दबाकर हल्का सा चपटा कर लें। 4. एक भगोने में 3/4 पानी भरकर उबलने के लिए रख दें। पानी उबलने पर आटे के चपटे गोले को उसमें डाल दें, बीच में एक-दो बार हलके हाथ से चम्मच की मदद से उन्हें चला लें। 5. जब गोले भगोने में तैरते हुए ऊपर आ जाएं तो 2-3 मिनट तक और इन्हें उबालें। फिर गोले में चाकू चुभोकर देखें कि आटा उसमें चिपक तो नहीं रहा, अगर चिपक रहा हो तो कुछ देर और उबलने दें। उसके बाद गैस बंद कर दें और एक सूती कपड़े पर इन गोलों को निकाल लें।

6. जब ये गोले सूख जाएं तो इन्हें पहले से गर्म किए हुए गैस तंदूर में धीमी आंच पर दोनों तरफ से भूरा होने तक इन्हें सेंकें। यही चपटे गोले बाफले कहलाते हैं, जब बाफले दोनों तरफ से गोल्डन ब्राउन हो जाएं तो इन्हें गैस तंदूर से बाहर निकाल लें।

7. बाफलों को 3-4 टुकडों में तोड़ लें और शुद्ध घी में डुबो दें। 10 -12 मिनट के बाद इन्हें घी में से निकालकर बाफले वाली दाल और ग्रीन चटनी के साथ परोसें। गरमा-गरम दाल-बाफले (dal bafla) का मजा लें।

सर्दियों में बच्चे को रोजाना 1 केला खिलाने से मिलेंगे ये फायदे

सर्दियों के मौसम में सर्द हवाओं के चलने से सर्दी, खांसी, जुकाम, बुखार होना आम सी बात है। इस मौसम में सबसे ज्यादा बीमार बच्चे ही होते है क्योंकि उनकी रोग- प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। बच्चों के बार-बार बीमार होने से पैरेंट्स परेशान होते है और सोचते है कि बच्चों को क्या खिलाए जिसको खाने से बच्चा स्वस्थ और चुस्त रहे। वैसे तो सर्दियों में बहुत से फल होते हैं, जो बच्चे की सेहत के लिहाज से काफी फायदेमंद है लेकिन केला इस मौसम में बच्चों के लिए काफी गुणकारी साबित होता है। सर्दी में बच्चे को केले का सेवन करवाने से छोटी-मोटी परेशानियों से निजात पाई जा सकती है। आज हम आपको बताएंगे कि कैसे केला बच्चों की सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है।

1. इम्युनिटी सिस्टम मजबूत

सर्दियों के मौसम में बच्चों में गैस की समस्या होती हैं, बच्चों को इससे बचाने के लिए उन्हें रोजाना उनको 1 केला खाने को दें। इसको खाने से पेट संबंधित बीमारियां नहीं होती।

2. मुंह में छाले

मुंह में छाले होने से कोई भी चीज खाने में दिक्कत आती है। अगर बच्चे के मुंह में छाले हो तो उन्हे केले खाने को दें। इससे मुंह के छालों से राहत मिलेगी।

3. खून की कमी करें पूरी

केले में आयरन मौजूद होता है जो हीमोग्लोबिन की मात्रा को बढ़ाकर खून की कमी को पूरा करता है। अगर बच्चे में खून की कमी है तो उसकी डाइट में रोज 1 केले को शामिल करें। इसी के साथ इससे दूबले-पतले बच्चे का वजन भी बढ़ता है।

4. वायरल इफैक्शन

सर्दी में बच्चों को खांसी, जुकाम, वायरल इंफैक्शन जैसी प्रॉबल्म रहती है। इस तरह के इंफैक्शन से बचने के लिए बच्चों की डाइट में केला शामिल करें। यदि बच्चे को पहले से ही सर्दी -खांसी हो तो केला न खिलाएं क्योंकि इससे जलन पैदा हो सकती है।

5. एनर्जी बढाएं

सर्दी हो या गर्मी, बच्चे हमेशा खैलते-दौड़ते रहते है, जिससे उनके शरीर की खूब एनर्जी वेस्ट होती है। केले में कार्बोहाइड्रेट और शुगर की मात्रा अधिक होती है जिसको खाने से एनर्जी मिलती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**